मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 5 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 7 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 322 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ परिवार में महिलाओं को भी अपने सपने पूरे करने के पर्याप्त अवसर मिले

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनी सोनालीं ◂◂ 6

देवेंद्र नाथ महतो ने किया जल ग्रहण सोनम वांगचुक से वीडियो कॉल पर की बात

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जारी छात्र आंदोलन के समर्थन में भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने जल ग्रहण किया। उन्होंने सोनम वांगचुक से वीडियो कॉल पर बात करने के बाद पानी पीने का फैसला किया। इस दौरान उन्होंने आंदोलन का समर्थन करते हुए छात्रों के जज्बे को सलाम किया और सरकार से उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

सोनम वांगचुक और देवेंद्र नाथ महतो की बातचीत : दरअसल, जेपीएससी, जेएसएससी और सीजीएल परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच बुधवार को लद्दाख के शिक्षा सुधारक और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉल के माध्यम से भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से बातचीत की।

इस दौरान सोनम वांगचुक ने कहा, हम आपके जज्बे और कोशिशों को सलाम करते हैं। आपने कोई निजी मांग नहीं रखी है, बल्कि छात्रों के हित और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की बात कर रहे हैं। पूरा देश आपकी आवाज सुन रहा है। सरकार को चाहिए कि छात्रों की मांगों को सुने और उनका समाधान निकाले।

सत्याग्रह का उद्देश्य आत्महत्या करना नहीं: सोनम वांगचुक

बातचीत के दौरान उन्होंने देवेंद्र नाथ महतो से विशेष आग्रह किया कि वे अनशन के दौरान कम से कम जल ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि सत्याग्रह का उद्देश्य किसी भी तरह आत्महत्या करना नहीं, बल्कि समाज और सरकार की अंतरात्मा को जगाना होता है। इसके लिए आंदोलनकारियों का स्वस्थ रहना आवश्यक है।

सोनम वांगचुक ने कहा, अनशन के कई तरीके होते हैं। आप कम से कम पानी, नमक और नींबू लें। यदि संभव हो तो शहद और पानी भी लिया जा सकता है। महात्मा गांधी भी अपने उपवास के दौरान जल और नमक लेते थे। अगर आप बिल्कुल जल नहीं लेंगे तो कुछ दिनों बाद शरीर साथ नहीं देगा। हमारा लक्ष्य अपनी आत्मा को जगाना और सरकार की आत्मा को झकझोरना है, न कि अपने जीवन को खतरे में डालना। इसलिए मैं आपसे बार-बार आग्रह करता हूं कि जल जरूर ग्रहण करें।

2 अगस्त से अन्न और जल का त्याग : इस पर देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने कहा कि शरीर में काफी कमजोरी है, सिर और बदन में दर्द है तथा शरीर का कोई भी अंग पूरी तरह सहयोग नहीं कर रहा है। देवेंद्र ने कहा, ₹25 जुलाई से मैं सत्याग्रह में हूं। पिछले कई दिनों से ठीक से सो नहीं पाया हूं और 2 अगस्त से अन्न और जल दोनों का त्याग कर दिया है।₹

उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि सोनम वांगचुक उनके आदर्श रहे हैं और जंतर-मंतर पर उनके आंदोलनों से ही उन्हें प्रेरणा मिली। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने उन्हें कम से कम पानी पीने की सलाह दी, चिकित्सकों ने भी स्वास्थ्य को लेकर चेतावनी दी है। डॉक्टरों के अनुसार उनका शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर लगातार गिर रहा है, लेकिन अब तक उन्होंने किसी की बात नहीं मानी थी। इस पर सोनम वांगचुक ने एक बार फिर समझाते हुए कहा, यदि आप मेरे आदर्श मानते हैं, तो मेरी एक बात जरूर मानिए। जल ग्रहण कीजिए। यह संघर्ष लंबा चल सकता है और इसके लिए आपका जीवित और स्वस्थ रहना जरूरी है। सरकार की अंतरात्मा को जगाने के लिए आपका जिंदा रहना सबसे आवश्यक है। मुझे उम्मीद है कि सरकार जल्द सकारात्मक निर्णय लेगी।

सोनुम वांगचुक की छात्रों से अपील : वीडियो कॉल के अंत में भी सोनम वांगचुक ने देवेंद्र नाथ महतो और आंदोलन में शामिल सभी छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष जारी रखने की अपील की तथा दोहराया कि अनशन के दौरान कम से कम जल, नमक और आवश्यक तरल पदार्थ अवश्य ग्रहण करें ताकि आंदोलन मजबूती के साथ आगे बढ़ सके। देवेंद्र नाथ महतो ने बातचीत के दौरान सोनम वांगचुक से समर्थन का भरोसा मांगा।

उन्होंने कहा कि यदि सोनम वांगचुक उनके आंदोलन के साथ खड़े रहने और लगातार मार्गदर्शन देने का वादा करेंगे, तभी वे जल ग्रहण करने पर विचार करेंगे। इस पर सोनम वांगचुक ने उन्हें भरोसा दिलाते हुए कहा, ₹आप जल ग्रहण कीजिए। मैं आपके आंदोलन का समर्थन करता हूं और आगे भी आपके साथ खड़ा रहूंगा। समय-समय पर आप लोगों से बातचीत भी करता रहूंगा। आप शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपना आंदोलन जारी रखिए। पूरा देश आपकी आवाज सुन रहा है और मैं व्यक्तिगत रूप से भी आपके साथ हूं।₹

सोनम वांगचुक ने कहा हमारा आंदोलन पहले की तरह शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा और अपनी मांगों के पूरा होने तक संघर्ष चलता रहेगा।₹वीडियो कॉल के दौरान ही सोनम वांगचुक के आग्रह पर देवेंद्र नाथ महतो ने अपना अनशन जारी रखते हुए जल ग्रहण किया।

बोकारो में ट्रिपल मर्डर, बुजुर्ग दंपती और बहू की कुल्हाड़ी से हत्या, आरोपी ने किया सरेंडर

बोकारो: जिले के नावाडीह थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह तिहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। कुकुरलीलवा गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या कर दी गई। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर कैंप कर रही है।

घटना के संबंध में बेरमो डीएसपी रविंद्र सिंह ने बताया कि पति जानकी महतो एवं पत्नी सूगिया देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि गौरी देवी गंभीर रूप से घायल थी, जिसे इलाज के लिए पुलिस ने अस्पताल भेजा था। इधर, मामले को लेकर स्थानीय विधायक जयराम महतो ने भी कार्रवाई की मांग की है।

मृतकों की पहचान जानकी महतो, पत्नी सूगिया देवी और पुत्रवधू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटना के बाद पड़ोस में रहने वाले राजू सिंह ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है, लेकिन बेरमो डीएसपी रविंद्र सिंह का कहना है कि पुलिस ने राजू सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, हत्या में कुल्हाड़ी का इस्तेमाल किया गया है।

जमीन विवाद से जोड़ा जा रहा है हत्या की वारदात : पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने में लगी है। हत्या के पीछे की वजह अभी साफ नहीं हो सकी है, लेकिन स्थानीय लोगों से जो जानकारी मिल रही है, उसमें जमीन विवाद के मामले को लेकर हत्या हुई है। हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है।

हत्या के बाद हाथ में टांगी लिए घूमता रहा आरोपी : इससे पहले मामले में हत्या का आरोपी राजू सिंह सड़क पर घटना को अंजाम देने के बाद हाथ में टांगी लिए घूमता रहा। डर से लोग सामने नहीं जा पा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, जो भी व्यक्ति आगे बढ़ता था, वह उसकी तरफ टांगी लेकर मारने के लिए दौड़ पड़ता था, जिसकी वजह से बहुत देर तक शव घटनास्थल पर ही पड़े रहे।

आरोपी के हाथ में हथियार लेकर घूमने का वीडियो भी सामने आया है। इस घटना के संबंध में मृतक के बेटे सेवा महतो ने बताया कि आरोपी हमसे बराबर लड़ाई झगड़ा करता था। उसने आज भी लड़ाई झगड़ा करते हुए घर से टांगी लेकर आया और हमला करके मेरे मां-पिता की हत्या कर दी। साथ ही मेरे छोटे भाई की पत्नी को भी घायल कर दिया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी भी मौत हो गई।

विवाद के बाद किया जानलेवा हमला : नावाडीह प्रखंड के कुकुरलीलवा निवासी जानकी महतो, उनकी पत्नी और बहू धान रोपने के लिए खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस के रहने वाले राजू सिंह से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के बाद राजू सिंह ने टांगी से जानकी महतो पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े।

बीच-बचाव करने पहुंची बहू पर भी प्राणघातक हमला : इसके बाद आरोपी ने जानकी महतो की पत्नी पर भी टांगी से हमला कर दिया। हमले में दोनों की मौत हो गई। वहीं बीच-बचाव करने पहुंची बहू पर भी आरोपी ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन-फानन में घायल बहू को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। इस तरह घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल घटना के पीछे की वास्तविक वजह साफ नहीं हो सकी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

जेपीएससी मेधा घोटाला: पूर्व मुख्य सचिव के पूर्व कर्मी समेत 4 और गिरफ्तार, सीआईडी की जांच में अब तक 15 आरोपी शिकंजे में

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) मेधा घोटाला और परीक्षा अनियमितता मामले में सीआईडी की जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। बुधवार को जांच एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्य सचिव एल। ख्यांग्ते के आवासीय कार्यालय में कार्यरत रहे धर्मेंद्र समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 15 पहुंच गई है। हालांकि, सीआईडी ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इससे पहले मंगलवार को सीआईडी ने उमेश कुमार, बुद्धेश्वर भगत और रमेश कुमार को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया है कि इन पर परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर कथित तौर पर सेटिंग-गेटिंग के जरिए अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने का आरोप है।

तीन मुख्य आरोपियों से रिमांड पर पूछताछ : सीआईडी ने अदालत से रिमांड (पुलिस अभिरक्षा) पर लिए गए तीन प्रमुख आरोपियों से पूरे दिन गहन पूछताछ की। इनमें टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रामवीर सिंह, विपणन प्रबंधक अभय कुमार तिवारी उर्फ मनोज कुमार तिवारी और प्रोग्रामर (कंप्यूटर प्रोग्राम विशेषज्ञ) मोहम्मद उस्मान शामिल हैं।

पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं में कथित छेड़छाड़ और परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर कई अहम सवाल किए। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि परीक्षा में पास कराने के नाम पर कितने अभ्यर्थियों से रकम वसूली गई और उस धनराशि का बंटवारा किन-किन लोगों के बीच हुआ।

वित्तीय लेनदेन पर सीआईडी की पैनी नजर : सीआईडी अब पूरे गिरोह के वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। बैंक खातों, धन के लेनदेन और संदिग्ध आर्थिक गतिविधियों की पड़ताल के जरिए घोटाले की परतें खोलने की कोशिश की जा रही है। जांच अधिकारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं। जेपीएससी मेधा घोटाले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे परीक्षा अनियमितताओं और कथित सेटिंग-गेटिंग के पूरे नेटवर्क का खुलासा होता जा रहा है।

ई20 विवाद : नितिन गडकरी को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत, सोशल मीडिया कंपनियों पर कर सकेंगे केस

मुंबई । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को ई20 पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे फर्जी वीडियो और पोस्ट के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने की इजाजत मिल गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें मेटा, एक्स और गूगल समेत अज्ञात सोशल मीडिया यूजर्स के खिलाफ सिविल मुकदमा दायर करने की अनुमति दी है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर एआई की मदद से बनाए गए डीपफेक वीडियो और भ्रामक पोस्ट वायरल हो रहे थे। इनमें गलत तरीके से दिखाया जा रहा था कि नितिन गडकरी और उनके परिवार को सरकार की ई20 इथेनॉल पेट्रोल नीति से आर्थिक फायदा हो रहा है। नितिन गडकरी ने कोर्ट में दलील दी कि इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम उनके मंत्रालय से नहीं जुड़ा है। यह काम पूरी तरह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय देखता है। उनके नाम और परिवार को इस नीति से जोड़कर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कोर्ट से दो चीजें मांगी हैं। पहली, आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाने का आदेश। दूसरी, उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए 11 करोड़ रुपए का हजार्ना। नितिन गडकरी के वकीलों ने अदालत में कहा कि यह कार्रवाई आम लोगों की राय या चर्चा को दबाने के लिए नहीं है। इसका मकसद सोशल मीडिया कंपनियों को उनके प्लेटफॉर्म पर फैल रही फर्जी और अपमानजनक सामग्री के लिए जवाबदेह ठहराना है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका सुनने के बाद मुकदमा दायर करने की इजाजत दे दी है। बता दें कि ई20 का मतलब है 20 फीसदी इथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल। सरकार का कहना है कि इससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा और कच्चे तेल के आयात पर खर्च भी घटेगा। हालांकि इस नीति को लेकर बहस भी हो रही है। कुछ लोग गाड़ियों की अनुकूलता को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

धनबाद में फिर भू-धंसान, आधा दर्जन घर जमींदोज जमीन में समाई सामान और मोटरसाइकिल

संवाददाता

धनबाद: जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच एक बार फिर भू-धंसान की घटना सामने आई है। कतरास थाना क्षेत्र के सेलेक्टेड गोविंदपुर में अचानक जमीन धंसने से करीब आधा दर्जन घर जमींदोज हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि भू-धंसान की चपेट में आने से घरों में रखा सामान समेत मोटरसाइकिल भी जमीन के अंदर समा गई। अचानक हुए भू-धंसान के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गए। लोगों का कहना है कि अचानक रात के समय खाना बना रही थी और तेज आवाज के साथ भू-धसान होने लगा।

मौके पर पहुंचे प्रशासन और बीसीसीएल की टीम : घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और बीसीसीएल के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बाघमारा अंचलाधिकारी गिरिजानंद किस्कू ने बताया कि भूधंसान में छह मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। लेकिन राहत की बात है कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल के अधिकारियों से बातचीत हो चुकी है और प्रभावित परिवारों को तत्काल बेलगड़िया पुनर्वास कॉलोनी में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अंचलाधिकारी ने यह भी बताया कि बारिश के मौसम में भूधंसान की घटनाओं को देखते हुए बीसीसीएल को सभी क्षेत्रों में 20-20 क्वार्टर चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। जिससे कि भविष्य में कहीं भी ऐसी घटना होने पर प्रभावित परिवारों को बिना देर किए सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सके।

इलाके में लगातार हो रही बारिश के कारण कतरास क्षेत्र में जमीन धंसने की घटनाएं सामने आ रही है। इससे लोगों के बीच घर और जान-माल की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं घटना में बची एक पीड़ित महिला ने कहा कि घर में काम करने के दौरान बिजली कड़कने जैसी आवाज आई। जिसके बाद वे लोग शोर करते हुए बाहर निकला। देखते ही देखते घर जमीन में समा गया। महिला ने बताई कि आसपास के लगभग आधा दर्जन घर जमींदोज हुआ है।

अनुच्छेद 370 हटने से साकार हुआ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना 7 साल में बदला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख : पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरे होने पर कहा कि इन वर्षों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ₹सात साल पहले इसी दिन (5 अगस्त को) अनुच्छेद 370 और 35(अ) इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। तब से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।₹ उन्होंने आगे लिखा, ₹बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता व खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, उन्हें भारत के संविधान के पूर्ण कार्यान्वयन के कारण सशक्त बनाया गया है।₹ पीएम मोदी ने कहा कि इस साल 5 अगस्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी वर्ष हमारा देश श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। दशकों पहले उन्होंने जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुआ।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, ₹हम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हर नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें हासिल करने और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिले।

आरबीआइ का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक पॉलिमर करेंसी नोटों को प्रचलन में लाने का है, फील्ड ट्रायल जारी: गवर्नर संजय मल्होत्रा

सरकार के अनुसार, इस पायलट परियोजना के तहत आरबीआई 10 रुपए और 20 रुपए मूल्यवर्ग के एक-एक अरब (100 करोड़) पॉलिमर नोट जारी करने की योजना बना रहा है। इन नोटों के जरिए उनकी मजबूती, टिकाऊपन और भारतीय मौसम व उपयोग की परिस्थितियों में उनकी उपयुक्तता का परीक्षण किया जाएगा। आरबीआई का मानना है कि पॉलिमर बैंक नोट्स पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ होते हैं।

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 2027-28 तक पॉलिमर करेंसी नोटों को प्रचलन में लाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहा है। इसके लिए फिलहाल फील्ड ट्रायल जारी हैं, ताकि बड़े स्तर पर जारी करने से पहले इन नोटों की गुणवत्ता और प्रदर्शन का आकलन किया जा सके। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसलों के बाद आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए संजय मल्होत्रा ने बताया कि पॉलिमर बैंक नोटों का पायलट कार्यक्रम अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि आरबीआई बाजार में नोट जारी करने से पहले उनका व्यापक परीक्षण करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे भारतीय परिस्थितियों में प्रभावी और टिकाऊ साबित हों। आरबीआई गवर्नर ने संकेत दिया कि फील्ड ट्रायल के नतीजों का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद ही इन नोटों को बड़े पैमाने पर चलन में लाने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक पॉलिमर नोटों को प्रचलन में लाना है।

गौरतलब है कि हाल ही में वित्त मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी थी कि सरकार ने आरबीआई के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 10 रुपए और 20 रुपए के पॉलिमर नोटों का फील्ड ट्रायल किया जाना है।

सरकार के अनुसार, इस पायलट परियोजना के तहत आरबीआई 10 रुपए और 20 रुपए मूल्यवर्ग के एक-एक अरब (100 करोड़) पॉलिमर नोट जारी करने की योजना बना रहा है। इन नोटों के जरिए उनकी मजबूती, टिकाऊपन और भारतीय मौसम व उपयोग की परिस्थितियों में उनकी उपयुक्तता का परीक्षण किया जाएगा। आरबीआई का मानना है कि पॉलिमर बैंक नोट्स पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ होते हैं। खासकर छोटे मूल्यवर्ग के नोट, जो सबसे अधिक इस्तेमाल होते हैं और जल्दी खराब हो जाते हैं, उनके लिए पॉलिमर नोट बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। इससे नोटों को बार-बार बदलने की लागत में भी कमी आने की उम्मीद है। पॉलिमर नोटों में आधुनिक और उन्नत सुरक्षा फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं। इनमें पारदर्शी विंडो और नकली नोटों पर रोक लगाने वाले अत्याधुनिक सुरक्षा तत्व शामिल होते हैं, जिससे जालसाजी को रोकने में मदद मिल सकती है।

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल कागजी मुद्रा को पूरी तरह से हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यदि पॉलिमर नोट जारी किए जाते हैं, तो वे मौजूदा कागजी नोटों के साथ ही प्रचलन में रहेंगे।

आरबीआई ने यह भी कहा है कि पूरे देश में अलग-अलग जलवायु और उपयोग की परिस्थितियों में पॉलिमर नोटों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। फील्ड ट्रायल और परिचालन संबंधी समीक्षा के नतीजों के आधार पर ही इनके व्यापक इस्तेमाल को लेकर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

समाचार सार

श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में कल से 4 दिवसीय संगीतमय श्रीकृष्ण बीतक कथा

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में 6 अगस्त से 9 अगस्त तक रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में चार दिवसीय संगीतमय श्रीकृष्ण बीतक कथा का आयोजन किया जाएगा।

ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कथा परमहंस डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में होगी। वृंदावन से पधारीं सुप्रसिद्ध कथावाचक विदुषी साध्वी मीणा महाराज और विदुषी साध्वी पूर्णा महाराज प्रतिदिन अपराह्न 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक कथा सुनाएंगी। कथा में भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल, गीता ज्ञान, रासलीला और जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला जाएगा। आयोजन का उद्देश्य आत्मशुद्धि, मन की शांति और सामाजिक समरसता का संदेश देना है।

कथा के बाद प्रतिदिन सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

35 अधिवक्ताओं को नोटिस पर आरडीबीए का आंदोलन तेज, 3 दिवसीय हड़ताल से सैकड़ों मामले प्रभावित

रांची : एसडीओ कार्यालय और कोतवाली थाना द्वारा 35 अधिवक्ताओं को नोटिस जारी किए जाने के विरोध में रांची जिला बार एसोसिएशन (आरडीबीए) ने आंदोलन तेज कर दिया है। नोटिस वापस लेने और अधिवक्ताओं की मांगों पर विचार की मांग को लेकर मंगलवार से 3 दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई है।

सिविल-एक्सक्यूटिव कोर्ट में कामकाज ठप : मंगलवार को चेहल्लुम की वजह से सिविल कोर्ट पहले से बंद था, इसलिए कामकाज प्रभावित नहीं हुआ। लेकिन बुधवार को कोर्ट खुलते ही सैकड़ों मामलों की सुनवाई ठप हो गई। आरडीबीए के सभी अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्यों से अलग रहने के कारण एसडीओ कार्यालय, उपायुक्त न्यायालय और एक्जीक्यूटिव साइड से जुड़े हजारों मामलों का निष्पादन प्रभावित रहा।

जमीन विवाद, राजस्व, दाखिल-खारिज, प्रमाणपत्र और अन्य सिविल प्रकृति के मामलों में भी सुनवाई नहीं हो सकी। बड़ी संख्या में फरियादी मामलों के निस्तारण की उम्मीद लेकर कोर्ट पहुंचे, लेकिन अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति के कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ा।

6 अगस्त को तय होगी आगे की रणनीति : नोटिस के बाद अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरडीबीए ने आमसभा कर 4, 5 और 6 अगस्त तक हड़ताल का निर्णय लिया था।

आरडीबीए की एडहॉक कमेटी के सदस्य संजय विद्रोही ने कहा कि जब तक अधिवक्ताओं की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल अधिवक्ता एक्जीक्यूटिव साइड के सभी कार्यों से अलग रहेंगे। 6 अगस्त को दोपहर 1:30 बजे एडहॉक कमेटी की बैठक होगी, जिसमें आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी।

अपर बाजार के दुकानदारों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, नगर निगम की कार्रवाई पर लगी रोक

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के अपर बाजार के दुकानदारों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने बुधवार को रांची नगर निगम द्वारा जारी नोटिस पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

नगर निगम ने दुकानदारों को ₹नियम विरुद्ध दुकान संचालन₹ का हवाला देते हुए नोटिस भेजा था और कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

क्या कहा कोर्ट ने : मामले की सुनवाई जस्टिस आनंद सेन की अदालत में हुई। दुकानदारों की ओर से नितिन कुमार सर्राफ और अन्नपूर्णा ट्रेडिंग कंपनी ने याचिका दायर कर नगर निगम के नोटिस को चुनौती दी थी।

दुकानदारों के अधिवक्ता देवेश आजमानी ने कोर्ट को बताया कि निगम का नोटिस नियम संगत नहीं है और बिना उचित प्रक्रिया के कार्रवाई की जा रही है।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने नगर निगम को 4 सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि तब तक नगर निगम अपर बाजार के दुकानदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

दुकानदारों में खुशी : हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश से अपर बाजार के दुकानदारों ने राहत की सांस ली है। अब अगले आदेश तक दुकानदार सामान्य रूप से अपना कारोबार कर सकेंगे।

टेक्स्ट मैसेज फ्रॉड से सतर्क रहने की अपील

धनबाद : डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग के बीच एनपीसीआई ने टेक्स्ट मैसेज के जरिए होने वाली साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी है। संस्था के अनुसार फर्जी एसएमएस के जरिए लोगों को लिंक पर क्लिक करने, ऐप डाउनलोड करने या ओटीपी, यूपीआई पिन और पासवर्ड साझा करने के लिए बहकाया जाता है। एनपीसीआई ने लोगों से किसी भी संदेश पर कार्रवाई से पहले उसकी सत्यता की जांच करने, केवल आधिकारिक स्रोतों का उपयोग करने और संदिग्ध संदेशों की शिकायत 1930 या संचार साथी पोर्टल पर करने की अपील की है।

रांची रेल मंडल में स्थापित होगा अत्याधुनिक यूनिफाइड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर

रांची : यात्रियों की सुरक्षा, समयबद्ध रेल परिचालन और विश्वस्तरीय सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रांची रेल मंडल रेल संचालन को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और दक्ष बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत मंडल में अत्याधुनिक एकीकृत संचालन एवं यातायात नियंत्रण केंद्र (यूनिफाइड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) की स्थापना की जाएगी।

यह एकीकृत नियंत्रण केंद्र रेल संचालन से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा। इसके माध्यम से ट्रेनों की सतत निगरानी, त्वरित एवं प्रभावी निर्णय, संसाधनों का कुशल प्रबंधन तथा आपातकालीन एवं दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में शीघ्र और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक से लैस यह केंद्र रेल संचालन की सुरक्षा, दक्षता और विश्वसनीयता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा।

इस केंद्र में कोच संचालन विश्लेषण प्रणाली, माल परिचालन सूचना प्रणाली, एकीकृत कोच प्रबंधन प्रणाली, डाटा अभिलेख प्रणाली, पर्यवेक्षी नियंत्रण एवं डाटा अधिग्रहण प्रणाली तथा यातायात प्रबंधन प्रणाली सहित विभिन्न आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों का समन्वित उपयोग किया जाएगा। केंद्र में स्थापित विशाल वीडियो प्रदर्शन दीवार और डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से ट्रेनों की गति, समयपालन, सिग्नल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य महत्वपूर्ण परिचालन संबंधी सूचनाओं की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। इससे किसी भी तकनीकी खराबी, परिचालन संबंधी बाधा अथवा ट्रेनों के संचालन में उत्पन्न होने वाली असामान्य स्थिति की जानकारी तत्काल उपलब्ध होगी, जिससे त्वरित कार्रवाई कर रेल सेवाओं को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर प्रदेश भाजपा ने शुरू किया समरसता संकल्प अभियान

संवाददाता

रांचीः भारतीय जनता पार्टी इन दिनों संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर झारखंड सहित देशभर में समरसता संकल्प अभियान चला रही है। इसके तहत मंगलवार को रांची के कार्निवल बैंक्विट हॉल में राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर 29 जुलाई को काशी से संत रविदास जी की जन्मस्थली से लाई हुई मिट्टी को झारखंड के सभी सांगठनिक 30 जिलों में भेजा गया।

समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का कार्य कियाः राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि आज कई राष्ट्रविरोधी ताकतें भारत को भाषा, धर्म, जाति के नाम पर लड़वाने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए समरसता का काम करने वाले वे सभी महापुरुष, संत, महात्मा, महर्षि हम सबके लिए पूजनीय हैं। उन्होंने बताया कि सन 1433 ई में जब भारत पर मध्यकाल का वर्चस्व था उस वक्त संत शिरोमणि रविदास जी का जन्म हुआ। वे स्वामी संत रामानंद स्वामी जी के शिष्य बने और अपने क्षेत्रीय भाषा में दोहों और संदेशों के माध्यम से अपने धर्म और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का कार्य किया। उन्होंने अपनी लेखनी से न सिर्फ लोगों के मन में भक्ति भाव पैदा किया बल्कि देशभक्ति को भी बढ़ाने का प्रयास किया। उस वक्त पूरा भारत छुआछूत और समाज में हुए बंटवारे के दंश को झेल रहा था, लेकिन उन्होंने अपने दोहों के माध्यम से जात-पात को खत्म करने और समरसता बनाए रखने की पहल की।

राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि संत रविदास की वाणी सुनने राजा, रानी, संत, महात्मा, तपस्वी, सभी लोग आते थे। उन्होंने बताया कि मध्यकाल में भारत में कई ऐसे संत हुए जिनके द्वारा समाज की समरसता को बनाए रखने की सकारात्मक पहल की गई। वहीं संत कबीर ने ही संत रविदास जी को संत शिरोमणि की उपाधि दी थी।

यूपी में संत रविदास जी का मंदिर बनाया जा रहा हैः दुष्यंत गौतम उन्होंने बताया कि आज उत्तर प्रदेश में वहां की सरकार 38 एकड़ में संत रविदास जी के मंदिर का निर्माण करवा रही है। उन्होंने जालंधर में एयरपोर्ट का नाम बदलकर संत रविदास एयरपोर्ट कर दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली में संसद सत्र में भाग ले रहे भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के द्वारा भेजे गए संदेश को प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि इस समरसता संकल्प अभियान को समरसता भाव के साथ अपनी भक्ति से हर घर पहुंचने का काम भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के एक-एक कार्यकर्ता करेंगे। वहीं उन्होंने इस कार्यक्रम से जुड़ी पूरी टीम को बधाई दी।

समरसता संकल्प अभियान राज्य के हर गांव में जायेगा-बाबूलाल : समरसता संकल्प अभियान कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने संबोधित करते हुए कहा कि जिला की टोली कलश को लेकर गांव गांव तक जाएंगे। यह हमारे लिए गर्व का विषय है। हम कार्यक्रम को भव्य रूप से करेंगे और समाज के हर वर्ग तक इस कलश को पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में आज जिस तरह से राष्ट्र विरोधी शक्तियां हमें आपस में लड़ा कर तोड़ने का प्रयास कर रही हैं, इसके लिए जरूरी है कि हम संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के बताए संदेशों और उनकी वाणी का अनुसरण कर जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इन षड्यंत्रकारी लोगों के खिलाफ लड़ रही है। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी भारत के निर्माण के साथ समाज को एक साथ जोड़ने का काम भी कर रही है।

आध्यात्मिक जगत से दुनिया को अवगत कराया: पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा : इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज जी का यह देश आज के समय भारत के लिए पुनर्जागरण का है। हमारे देश में कई ऐसे संत हुए जिनके मार्गदर्शन से हमने आध्यात्मिक जगत से दुनिया को अवगत कराया है इसलिए भारत हमेशा से पूरे विश्व के लिए ज्ञान की धरती रही है। आज भी कई विदेशी भारत को समझने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई से शुरू हुई और 20 फरवरी 2027 तक चलने वाले इस समरसता संपर्क अभियान को हम सब मिलकर पूरा करेंगे। जैसे संत रविदास ने गंगा की लहरों की तरह कभी रुके नहीं, ठीक उसी तरह हम सब उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहेंगे। यह कार्य अपने मन की पवित्रता, सरलता के साथ करेंगे।

थैलेसीमिया-सिकल सेल पीड़ित परिवारों ने डीसी को जताया आभार

संवाददाता

रांची : दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर रांची जिला प्रशासन की ओर से आयोजित रक्तदान-महादान शिविर को लेकर थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया पीड़ितों एवं उनके परिजनों ने रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

रांची समाहरणालय में आयोजित इस रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में रक्तवीरों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रांची जिला के रक्त विकार से पीड़ित मरीजों एवं उनके परिजनों ने उपायुक्त सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों को झारखंडी गमछा एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित परिजनों ने कहा कि जिला प्रशासन की इस पहल से थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और अन्य रक्त संबंधी गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने उपायुक्त से आग्रह किया कि रक्तदान-महादान अभियान को नियमित रूप से चलाया जाए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त मिल सके।

परिजनों ने उपायुक्त के समक्ष ब्लड बैंक की व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुड़े मुद्दे भी रखे। उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान दिव्यांगता पेंशन और पीड़ित बच्चों की शिक्षा से जुड़े कुछ मामलों का तत्काल समाधान भी कराया गया। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, रांची अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत (आईएएस), अपर समाहर्ता सुदर्शन मुर्मू सहित अन्य अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया।

आभार कार्यक्रम का आयोजन ह्यलहू बोलेगाह्ल रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया-सिकल सेल एनीमिया-हीमोफीलिया-अप्लास्टिक एनीमिया पीड़ित एसोसिएशन के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में संजय टोप्पो, देवकी देवी, सीमा देवी, फरिहाया बिलकिस, सुजाता कुमारी, संजू कुमारी, संगीता कुमारी, शांति देवी, तेजलाल महतो सहित रक्तवीर नदीम खान, साजिद उमर, मो. बब्बर और मो. राहिल मौजूद रहे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पुण्यतिथि पर डीसी-एसएसपी समेत अधिकारियों ने किया रक्तदान

संवाददाता

204

रांची : स्मृति शेष पद्म भूषण सम्मानित एवं झारखंड आंदोलन के प्रणेता ह्यदिशोम गुरुह्ल शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को रांची समाहरणालय स्थित ब्लॉक-ए, प्रथम तल के कक्ष संख्या-108 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाज सेवा और मानवता के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में जिला प्रशासन के पदाधिकारियों और कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन तथा उप विकास आयुक्त संजय भगत ने रक्तदान कर समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। शिविर के दौरान कुल 28 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिसका उपयोग जरूरतमंद मरीजों के उपचार में किया जाएगा।

इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान कई जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन बचाने वाला साबित हो सकता है।

उन्होंने स्वस्थ नागरिकों से नियमित अंतराल पर स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्त की पर्याप्त उपलब्धता से मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान सिकल सेल रोग से पीड़ित मरीजों एवं उनके परिजनों ने उपायुक्त को गुलाब का फूल भेंट कर रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से रक्त की उपलब्धता बढ़ेगी और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

इससे पूर्व उपायुक्त, एसएसपी एवं अन्य अधिकारियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और झारखंड के विकास एवं समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनके योगदान को याद किया।

रक्तदान शिविर में अपर जिला दण्डाधिकारी (नक्सल) सुदर्शन मुर्मू, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, जिला खेल पदाधिकारी शिवेन्द्र कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रविशंकर मिश्रा सहित जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हुए। सभी रक्तदाताओं को उनके सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पलामू सांसद में लोकसभा में उठाई आवाज

बनिया कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन, बरनवाल को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग

पलामूः बनिया कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन और बरनवाल समाज को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग की गई है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत इन जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग की है।

पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में कहा कि बनिया कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन और बरनवाल समाज के अनेक परिवार सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हैं। उनकी बड़ी आबादी झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के इलाके में है। इन जातियों को अपने-अपने राज्य में ओबीसी की सूची में शामिल किया गया है, लेकिन इन्हें केंद्रीय ओबीसी में शामिल नहीं किया गया है। इस कारण इन्हें विभिन्न केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। लोकसभा में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास संकल्प के साथ समाज के सभी वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। इसी भावना के अनुरूप इन जातियों को भी केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की जरूरत है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि राज्य सरकार एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा आवश्यक प्रतिवेदन प्राप्त किया जाए और सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति का परीक्षण कराया जाए। प्रशिक्षण में समुदाय मानक का अनुरूप पाए जाते हैं तो

बिरसा मुंडा बस टर्मिनल में 12 अवैध संरचनाएं ध्वस्त

रांची : रांची नगर निगम द्वारा निगम की परिसंपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कर जनहित में उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को निगम की प्रवर्तन टीम ने भगवान बिरसा मुंडा बस टर्मिनल स्थित निगम स्वामित्व वाली भूमि पर किए गए अवैध कब्जे एवं अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान उक्त स्थल से कुल 12 अवैध संरचनाओं को हटाकर निगम की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। निगम अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि पर रांची नगर निगम द्वारा सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्र (एमआरएफ केंद्र) का निर्माण प्रस्तावित है। इस केंद्र के माध्यम से शहर के ठोस कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण, प्रसंस्करण और निस्तारण किया जाएगा। इससे रांची में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

रांची नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि निगम की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनहित में सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा और उनके बेहतर उपयोग के उद्देश्य से अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

यज्ञा बाबा आश्रम में भव्य शिव महोत्सव, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

रांची : मोरहाबादी स्थित आम्रकुंज (दुर्गा मंदिर परिसर) के श्री श्री 1008 यज्ञा बाबा आश्रम में आयोजित भव्य शिव महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

आश्रम के मुख्य महंत श्री भरत दास जी महाराज के सान्निध्य तथा मुख्य पुजारी विकास पांडे के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक और दर्शन के लिए लगी रहीं। शाम होते-होते मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया।

इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ का आकर्षक एवं भव्य शृंगार किया गया। इसके बाद विशेष रुद्राभिषेक और महाआरती का आयोजन हुआ।

आदिवासी महोत्सव 2026 की तैयारियां तेज, अधिकारियों को समय पर सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश

संवाददाता

रांचीः झारखंड में आयोजित होने वाले आदिवासी महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने अपनी रफ्तार तेज कर दी है। अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति की जानकारी ली और तय समय सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि महोत्सव में विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे। ऐसे में स्टॉलों की व्यवस्था इस तरह की जाए कि आगंतुकों की आवाजाही बाधित न हो। साथ ही लोगों की सुविधा, प्रवेश और निकास मार्ग तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखने को कहा गया।

अपर मुख्य सचिव ने आयोजन से जुड़े सभी विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा। यदि किसी स्तर पर कोई समस्या आती है तो उसका समय रहते समाधान किया जाए, ताकि अंतिम समय में किसी तरह की परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और विरासत का प्रतीक है। इसलिए आयोजन केवल भव्य ही नहीं, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप और पूरी तरह व्यवस्थित होना चाहिए। महोत्सव में आने वाले लोगों को बेहतर अनुभव मिले और हर व्यवस्था में झारखंड की सांस्कृतिक पहचान की झलक दिखाई दे।

निरीक्षण के दौरान कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, विशेष सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजीव लोचन बक्शी, रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री, आलोक एस. कच्छप, सिटी एसपी पारस राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने तैयारियों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी अपर मुख्य सचिव को दी। निरीक्षण के बाद संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। प्रशासन का लक्ष्य सुरक्षा, ट्रैफिक, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और मंच सहित सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा कर महोत्सव को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना है।

रांची की 3.97 लाख महिलाओं के खाते में पहुंची मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि

डीबीटी से 99.30 करोड़ रुपये का हस्तांतरण

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले की 3 लाख 97 हजार 213 लाभुकों के बैंक खातों में जुलाई 2026 की सम्मान राशि सफलतापूर्वक हस्तांतरित कर दी गई है। प्रत्येक लाभुक के खाते में 2,500 रुपये की राशि आधार आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई है।

इस योजना के तहत रांची जिले की लाभुक महिलाओं के खातों में कुल 99 करोड़ 30 लाख 32 हजार 500 रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग प्रदान करना है।

जिला प्रशासन के अनुसार रांची जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लाभुकों को योजना का लाभ मिला है। इनमें अनगड़ा में 16,853, अरगोड़ा शहरी क्षेत्र में 13,456, बेड़ो में 20,680, बुंडू में 8,620, बुंडू नगर पंचायत में 3,569, बुढ़मू में 17,933, चान्हो में 19,427, हेहल शहरी क्षेत्र में 16,420, कांके में 31,709 सहित अन्य प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों की लाभुक महिलाएं शामिल हैं।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिलेगा और वे अपनी आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगी। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन योजना के सफल क्रियान्वयन और पात्र लाभुकों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

रांची में पंचायत सहायकों का शक्ति प्रदर्शन, मांगों को लेकर आज मुख्यमंत्री आवास कूच

रांचीः अपनी विभिन्न सेवा संबंधी मांगों को लेकर झारखंड के पंचायत सहायकों ने बुधवार को राजधानी रांची में बड़ा आंदोलन शुरू कर दिया। पंचायत सहायक संघ के बैनर तले राज्यभर से आए सैकड़ों पंचायत सहायक मोरहाबादी मैदान में जुटने लगे हैं। यहां से वे मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करेंगे और अपनी मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे।

आंदोलनकारी पंचायत सहायकों का कहना है कि वे वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत सचिवालयों में कम मानदेय पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद अब तक उन्हें सेवा सुरक्षा, नियमितीकरण और पदोन्नति जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल सकी हैं। उनका आरोप है कि सरकार की ओर से कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस नीति लागू नहीं की गई।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार उपेक्षा के कारण पंचायत सहायकों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती या मुख्यमंत्री की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

इधर, आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। मोरहाबादी मैदान से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। मोरहाबादी मैदान में पंचायत सहायकों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों के जुटने से राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

रांची जिले में आज प्रकाशित होगा मतदाता सूची का प्रारूप

डीसी ने मतदाताओं से सत्यापन की अपील की

रांची : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत रांची जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 5 अगस्त 2026 को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा।

मतदाता सूची के प्रारूप के प्रकाशन के अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) उपस्थित रहेंगे। बीएलओ द्वारा मतदाताओं को मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

इसके साथ ही जिले के सभी मतदान केंद्रों पर अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट मतदाताओं (एएसडीडी) की सूची का भी प्रकाशन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे 5 अगस्त को अपने संबंधित मतदान केंद्र पर जाकर प्रकाशित मतदाता सूची के प्रारूप में अपना नाम एवं अन्य विवरणों का सत्यापन अवश्य करें।

उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, लिंग या अन्य किसी विवरण में त्रुटि पाई जाती है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर दावा एवं आपत्ति दर्ज कराएं, ताकि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले आवश्यक सुधार किया जा सके।

उपायुक्त ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में जिला प्रशासन का सहयोग करें, जिससे आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को बेहतर और पारदर्शी बनाया जा सके।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा का हुसैनाबाद में अंतिम संस्कार कड़ी सुरक्षा में पैतृक घर पहुंची पत्नी रिया सिन्हा

रांची/पलामूः कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा का पलामू के हुसैनाबाद स्थित कररबार नदी में बुधवार को अंतिम संस्कार हुआ. उसके बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी. अंतिम संस्कार में पत्नी रिया सिन्हा कड़ी सुरक्षा के बीच हुसैनाबाद पहुंची. रिया सिन्हा चाईबासा जेल में बंद है और एक दिन के पेरोल पर हुसैनाबाद पहुंची. मंगलवार को पत्नी और बेटे के नहीं रहने के कारण अंतिम संस्कार नहीं हुआ था.

पार्थिव शरीर से लिपटकर रोने लगे मां-बेटे : जैसे ही रिया सिन्हा पुलिस वैन से उतरी, वहां मौजूद लोगों की निगाहें उसकी ओर टिक गई. पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच वह सीधे अपने पति के पार्थिव शरीर के पास पहुंची और लिपटकर रोने लगी. उनके साथ पुत्र अक्षत कुमार सिन्हा भी अपने पिता के शव से लिपटकर बिलख पड़ा. अंतिम दर्शन के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में रिश्तेदार, ग्रामीण और आसपास के लोग पथरा गांव पहुंचते रहे. इधर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में पुलिस बल की तैनाती की गई है.

अंतिम संस्कार को लेकर पंचायत के मुखिया ने दी जानकारी : बुधवार को दोनों के पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई. पथरा पंचायत के मुखिया नरेश पासवान ने बताया कि कररबार नदी के तट पर अंतिम संस्कार किया गया. दरअसल साहिबगंज जेल से धनबाद जेल में ट्रांसफर करने के दौरान जामताड़ा में सुजीत सिन्हा की एनकाउंटर में मौत हो गई थी. पुलिस के अनुसार वह पुलिस की कस्टडी से भाग रहा था और फायरिंग की थी. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वह ढेर हुआ था.

सुजीत सिन्हा पर पलामू, लातेहार, रामगढ़, हजारीबाग, रांची और धनबाद समेत कई इलाकों में गंभीर अपराध के मामले दर्ज थे. पलामू में 2005 के बाद से उसपर हत्या एवं रंगदारी के 40 से अधिक मामले थे. हालांकि 2023- 24 में 15 से अधिक मुकदमों में उसे बरी किया गया था. उनकी पत्नी पर भी कई गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं।

अंजुमन अस्पताल पहुंचे मैक्स अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रमुख, अस्पताल की सेवाओं की सराहना की

रांची : मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साकेत के एसोसिएट डायरेक्टर एवं हेड ऑफ द यूनिट (न्यूरोसर्जरी) डॉ. अनुराग गुप्ता ने अंजुमन अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा अस्पताल प्रबंधन से मुलाकात कर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। अस्पताल के अध्यक्ष मोखतार अहमद एवं सुपरिटेंडेंट मोकीम आलम ने ने डॉ. गुप्ता का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली, उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के बाद डॉ. अनुराग गुप्ता ने अंजुमन अस्पताल द्वारा समाज के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल जनसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है।डॉ गुप्ता ने कहा कि वह आगामी सितम्बर महिना से महिने के हर मंगलवार को अंजुमन अस्पताल में अपना सेवा देंगे । मुलाकात के दौरान अस्पताल के विकास, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अस्पताल प्रबंधन ने डॉ. गुप्ता के आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए उनके सुझावों को महत्वपूर्ण बताया।

मौके पर मोहम्मद फारुक, जावेद सलीम, सुफियान अखतर गणमान्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश महासचिव मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर ने दिया इस्तीफा

रांची : झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश महासचिव मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आबिद अली अंसारी को इस्तीफा पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी। अपने इस्तीफा पत्र में मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने कहा है कि निजी व्यस्तताओं एवं अन्य आवश्यक कारणों के चलते वह प्रदेश महासचिव और संगठन के सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करने में असमर्थ हैं। इसी वजह से उन्होंने झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश महासचिव पद सहित संगठन की सभी जिम्मेदारियों से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है।

उन्होंने अपने पत्र में संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व से आग्रह किया है कि उनके इस्तीफे को स्वीकार किया जाए। साथ ही संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें संगठन की सेवा करने का अवसर मिला, जिसके लिए वह सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और नेतृत्व के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर के इस्तीफे के बाद संगठन के भीतर आगे की रणनीति और नए प्रदेश महासचिव की नियुक्ति को लेकर चचाएं तेज होने की संभावना है। हालांकि, संगठन की ओर से देर शाम तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई थी।

एनएचएम प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

रांची : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड की ओर से रांची-खूंटी मार्ग स्थित मोमेंट्स रिसॉर्ट्स में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म भूषण से सम्मानित स्वर्गीय शिबू सोरेन (गुरुजी) को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रशिक्षण सत्र की शुरूआत श्रद्धांजलि सभा के साथ हुई। इस दौरान खूंटी के सिविल सर्जन डॉ. एल.आर. पाठक, मुख्यमंत्री सेल के नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश मिश्रा, आईईसी के नोडल अधिकारी डॉ. राहुल किशोर सिंह सहित उपस्थित स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षुओं ने दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने शिबू सोरेन के जीवन, संघर्ष और झारखंड राज्य के निर्माण में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने समाज के शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया, जो सदैव प्रेरणा देता रहेगा। श्रद्धांजलि सभा के बाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन निर्धारित विषयों के साथ विधिवत शुरू किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों और प्रशिक्षुओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

शिबू सोरेन के सपनों का झारखंड बनाएंगे : केशव महतो कमलेश

रांची : प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संपूर्ण जीवन झारखंड की पहचान, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों तथा गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के सम्मान की लड़ाई को समर्पित रहा। उनका संघर्ष केवल झारखंड राज्य के निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि वे ऐसे झारखंड का सपना देखते थे जहाँ हर व्यक्ति को सम्मान, न्याय और विकास का समान अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार दिशोम गुरु के विचारों और जनकल्याणकारी सोच को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और महागठबंधन के सभी घटक दल सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के साझा संकल्प के साथ राज्य के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। दिशोम गुरु के आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनके बताए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज जब देश में संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक सौहार्द को चुनौती देने की कोशिशें हो रही हैं, तब दिशोम गुरु का संघर्ष और उनके विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। कांग्रेस पार्टी उनके संघर्षों, त्याग और जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगी।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित नेताओं ने भी दिशोम गुरु के जीवन और संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उनका योगदान झारखंड के इतिहास में सदैव अमिट रहेगा। आने वाली पीढ़ियाँ उनके त्याग, संघर्ष और जननायक के रूप में निभाई गई भूमिका से प्रेरणा लेती रहेंगी।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रविन्द्र सिंह,सतीश पॉल मुंजनी,प्रदीप तुलस्यान बिनय सिन्हा दीपू,कुमार गौरव,राकेश सिन्हा, किशोर सहदेव राजीव रंजन प्रसाद , तोसिफ,सुरेंद्र सिंह,सोनल शांति,केदार पासवान,सुनील सिंह, उज्जल तिवारी,पूर्णिमा पांडेय मिर्दुल राज, मनोज कुमार, देबू चटर्जी,राकेश तिवारी, मित्युंजय कुमार, शकील अख्तर, सुनील उरांव,मनीष राज,राजीव नारायण प्रसाद प्रेम नाथ मुंडा,

मुख्यमंत्री छात्रों की मांगें पूरी करके दिखाएं : अशोक बड़ाईक

संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेपीएससी-जेएसएससी मामले पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा कि ह्लहम कितनी गंभीरता से काम कर रहे हैं, यह सीना चीरकर नहीं दिखा सकता। अशोक बड़ाईक ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी गंभीरता साबित करने के लिए सीना चीरकर दिखाने की जरूरत नहीं है। अगर सरकार वास्तव में गंभीर है, तो पिछले 11 दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हजारों झारखंडी छात्रों की मांगें पूरी करके दिखाए। यही सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा है।

अशोक बड़ाईक ने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं, जिस पर हम काम करते हैं, उसे ठीक करके ही दम लेते हैं। अगर ऐसा है, तो सबसे पहले जेपीएससी और जेएसएससी की व्यवस्था को ठीक कीजिए। वर्ष 2019 के बाद हुई जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल और अन्य सभी भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराइए, फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से दोषियों को शीघ्र सजा, 14वीं जेपीएससी मामले में दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई तथा उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में जान गंवाने वाले युवाओं के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम– अंजली बेक, उम्र– 16 वर्ष, उँचाई– 5 फिट, रंग– साँवली,
पहनावा– सजवार समीज पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता लड़की अंजली बेक, उम्र–16 वर्ष, पिता–जोन बेक, पता–इमली चौक हरमु, नीचे बस्ती, हाईकोर्ट कॉलोनी, थाना–अरगोडा, जिला–राँची, जो दिनांक–23.06.2026 अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में आरगोड़ा थाना काण्ड सं0–192/2026, दिनांक–28.07.2026, धारा–137(2) बी0एन0एस0 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। – 9431706143
थाना प्रभारी, अरगोडा, राँची। – 9431706170
आवेदिका अतुल बेक। – 9142463806

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 386651 Police (26-27)_D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–36/2026–27

1.विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2.परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :दिनांक 18.08.2026 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3.निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 19.08.2026 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4.निविदा खोलने की तिथि एवं समय :दिनांक 19.08.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5.परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6.निविदा प्राप्ति का स्थान :नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7.निविदा खोलने का स्थान :अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Supply and Installation of DC fans in Record Room at Ground Floor of Jharkhand High Court, Dhurwa, Ranchi	17,48,300.00	5000.00	35000.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 386599 (Building)26-27*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणी के व्यापक अर्थ

पत्रकारिता का संबंध जन सरोकारों से है। पत्रकारिता लोकहित का माध्यम है। पत्रकारिता राष्ट्र के तीनों आयामों कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका को सत्य, न्याय और पारदर्शी बनाने की प्रमुख भूमिका में होती है। तभी इसे राष्ट्र का चौथा स्तम्भ माना गया है। निरंकुश राजनीति पर प्रहार करती है। मानवीय मूल्यों की तरफदारी करती है पत्रकारिता। समाज में पत्रकारिता से नया वातावरण सृजित होता है। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। पत्रकारिता जगत को आत्ममंथन करना चाहिए। जुलाई माह में दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गिरीश कठपालिया की टिप्पणी के गहन और व्यापक अर्थ हैं। न्यायाधीश ने कहा कि मोबाइल और माइक लेकर घूमने वाला प्रत्येक व्यक्ति खुद को पत्रकार बताने लगा है। प्रेस की स्वतंत्रता जरूरी है लेकिन गैरजिम्मेदार पत्रकारिता से डराना-धमकाना बर्दाश्त नहीं होगा। न्यायाधीश की यह चिंता सही है। मोबाइल के आने के बाद अच्छी-बुरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। अच्छी वे खबरें जो जन सरोकारों से जुड़ी हों। राष्ट्र समाज के संवर्धन की हों। राष्ट्र समाज प्रथम की कार्रवाई से जुड़ी हर खबर अच्छी मानी जाएगी। बुरी खबरें वे हैं जिससे समाज टूटता हो। समाज विघटित होता हो। राष्ट्र की कानून-व्यवस्था को खतरा हो। डेढ़-दो दशक से करोड़ों सूचनाएं हैं। यह सूचनाएं व्यक्ति के मस्तिष्क को मथती हैं। व्यक्ति को तनाव में ले जाती हैं। हिंसक बनातीं हैं। हिंसा की ओर प्रेरित करने वाली होती हैं। कई बार लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं। शुभता वाली सूचनाओं का अभाव है। सनसनी फैलाती खबरें समाज के लिए लाभदायक नहीं होती। अशुभ सूचनाओं की लोकप्रियता है। समाचार माध्यमों और पत्रिकाओं को व्यक्ति के लिए परामर्श वाले लेख लिखने पड़ रहे हैं कि तनाव में न रहें लोग। हरियाली वाले क्षेत्रों में पार्कों में घूमने जाएं। संगीत का आनंद लें। स्वस्थ रहें, मस्त रहें। करें योग रहे निरोग का स्मरण भी कराना पड़ रहा है। वीडियो जारी करने पड़ते हैं कि अमुक कार्य करने से तनाव हटता-घटता है। इसकी मुख्य वजह है बुरी सूचनाओं का आग की तरह भारी फैलाव। प्रत्यक्ष अपराध के मामलों की तरह अप्रत्यक्ष अपराध बढ़े हैं। हिंसा बढ़ी है। बैंकों में जमा धन खाताधारकों की बिना जानकारी के निकल जाता है। इसे साइबर क्राइम कहा गया है। इसको लेकर सरकार ने मोबाइल फोन के रिंगटोन में भी सतर्क रहने के संदेश डाले हैं। अज्ञात व्यक्तियों और मोबाइल नंबरों से दूरी बनाए रखने के भी संदेश हैं। मोबाइल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाएं आती हैं। समझना जरूरी है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई घटना नहीं होती। दोनों पक्ष दूर होते हैं। अज्ञात होते हैं। स्त्री या किसी काल्पनिक अपराध में संलिप्त बताकर व्यक्ति को डरा-धमका कर बैंक खातों में धन हस्तांतरित करा लिया जाता है। अश्लीलता का सहारा लेकर अपराध बढ़े हैं। स्त्रियों के विरुद्ध और स्त्रियों के द्वारा भी अपराधों को किया जा रहा है। इस पूरे सिस्टम में वीडियो, ऑडियो, रिकार्डिंग को लेकर चित्रों तक से ब्लैकमेलिंग का जोरदार खेल चल रहा है। जब तक पीड़ितों की शिकायतें पुलिस तक जाती हैं तब तक देर हो चुकी होती है। तथाकथित पत्रकारों द्वारा खबर चलाने की धमकी दी जाती है, आंशिक खबरें डालकर बुलाया जाता है, पीछा किया जाता है। तथाकथित पत्रकारों द्वारा किसी अच्छे काम को पल भर में मिथ्या आरोपी अपराधी करार दिया जाता है। इस तरह पत्रकारिता का चेहरा वीभत्स बनाए जाने में बड़ी संख्या में तथाकथित मोबाइल, माइकधारी जुटे हैं। हमें यह स्मरण रखना होगा कि भारत और भारत के बाहर भी हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता को गुलामी, शोषण, अत्याचार के विरुद्ध हथियार बनाया। सबसे बड़े पत्रकार महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध इंडियन ओपिनियन नामक समाचार पत्र निकाला था। बाद में यंग इंडिया, हरिजन, हरिजन सेवक , नवजीवन समाचार पत्रों ने गांधीजी को आकाश जैसी ऊंचाई दी। भारत में डॉ आंबेडकर ने मूकनायक, तिलक ने केसरी समाचार पत्र का संपादन किया था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने 30 मई 1826 को कलकत्ता (कोलकाता) से हिंदी का पहला समाचार पत्र 'उदंत मार्तण्ड' शुरू किया था।प्रताप नारायण मिश्र ने ब्राह्मण 1883 कानपुर और गणेश शंकर विद्यार्थी ने प्रताप 1913 कानपुर समाचार पत्र निकाला था। नेहरु ने नेशनल हेराल्ड 1938 और जी एस अयंगर ने द हिंदू निकाला था। समाचार पत्रों पर अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगाए। संपादकों और पत्रकारों को जेल में डाला, भारी जुमार्ना लगाया। अंग्रेजों के अत्याचार से हम सबके पूर्वज डरे नहीं। उनके अंतस में भारत को स्वाधीन करने का महान सपना था। राष्ट्र सर्वोपरि की लगन थी। वे लोग अपने सपने को पूर्ण करके ही माने। प्रसिद्ध संचार शास्त्री मैकलुहान ने कहा था कि माध्यम ही संदेश है। रेडियो, प्रिंट, टेलीविजन और इंटरनेट जैसे पारम्परिक माध्यमों के साथ कृतिम मेधा हमारे बीच है। सबका उद्देश्य जनमानस का लोकहित ही है। आज स्थिति भयावह है। घर में, बस में, रेल में, होटल में, दफ्तर में कही जा रही बातों को मोबाइल से वीडियो बनाकर डाल देते हैं। रिकॉर्डिंग जारी कर देते हैं। प्रश्न है, इससे क्या लोकहित है। क्या स्वस्थ समाज बनाने का सपना है, नहीं। इसके कारण व्यक्ति की निजता घटी है। विश्वास का संकट बढ़ा है। अधिकारी, नेता, जनता सबका झूठ बोलना बढ़ा है। रिकार्डिंग भी कि आप कहीं यह न कहो कि हम नहीं बोले। प्रमाण है कि आप यह बोले थे। हम कह सकते हैं एक संदिग्धता भरा समाज बनने की ओर अग्रसर है भारत। लोग कह रहे हैं कि संचार से दूरी घटी है। हमारा मानना है कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच दूरी बढ़ी है। अविश्वास मजबूत हुआ। कारण सब जगह प्रमाण जुटाए जा रहे हैं और प्रमाण परिवारों को, समाज को तोड़ते हैं। समाज अलिखित संविधान से चलता है। संस्कारों से चलता है। राष्ट्र देश के संविधान से। विश्व में मुश्किलों भरा संसार निर्मित हो रहा है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया (एआई) से आप कुछ भी कर सकते हैं। आप जैसे नहीं हैं, वैसा फोटो और विडियो बन जाता है। जैसा चाहते हैं वैसा भी बन जाता है। घर में पहाड़ का दृश्य बन जाता है। आपका आपत्तिजनक चित्र बन जाएगा। आप पुरुष हैं तो स्त्री और स्त्री हैं तो पुरुष के रूप में प्रकट किया जाने का विज्ञान है। दुरुपयोग से लोग हैरान हैं। परेशान हैं। पीड़ित हैं। कुंठित हैं। डरे-सहमे हैं। कई फिल्मी हस्तियों के चित्र आपत्तिजनक बनाए गए। अन्य लोगों के भी आपत्तिजनक कंटेंट डाले गए। दिखाए गए। कुछ वर्ष से नई मुसीबत है। कुछ के लिए सुखद भी है। वह प्रार्थना पत्र भी बना देगा कि मेरे क्षेत्र में स्थित अस्पताल में चिकित्सक नहीं है। वह मार्ग खराब के भी पत्र बना देता है। मगर मूल प्रश्न अनुरित है रहेगा कि एआई क्या भारत के सांस्कृतिक स्वभाव को समझ सकता है। उत्तर है-नहीं।

सरकारी खबरें हैं कि कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री आवास योजना का पात्र है। एआई उसे हटाकर अपात्र कर देता है। हमने कुछ पात्रों की सिफारिश की। अधिकारियों ने बताया हम आवास देना चाहते हैं। एआई काट देता है। हमने कहा उपाय क्या। बोले सरकार जाने। संविधान में अनुच्छेद 19(1) ए अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ को लेकर समाज तोड़क तत्व अपने मोबाइल से फेसबुक से व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स ए आई से भी कुछ भी लिख रहे हैं। गरिया रहे हैं एक-दूसरे को। वे डरते नहीं हैं। न सरकार से, न न्यायालय से। कोई व्यक्ति, दल, संस्था संविधान से सर्वोच्च नहीं है। इस मनमानी पर कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। न्यायाधीश की चिंता पर विचार होना चाहिए।

भगवा का स्वांग और संसद की मयार्दा : सत्ता-विरोध के नाम पर हिन्दू आस्था से छल कब तक?

राजनीति संस्कृति के प्रतीकों को अपने क्षणिक संघर्ष का औजार बना लेती है, तब यह किसी स्तर का विवाद न होकर सीधे राष्ट्रीय चेतना पर प्रहार हो जाता है। अभी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली आन्दोलन को बहुत समय नहीं बीता है, वहां सभी ने देखा कि कैसे हिन्दू मानबिन्दुओं को अपमानित किया गया।

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत एक ऐसी सभ्यता है जिसकी आत्म-चेतना उसके सांस्कृतिक प्रतीकों, आध्यात्मिक परंपराओं और लोकविश्वासों में बसती है। संविधान भारत को राजनीतिक एकता देता है, जबकि संस्कृति उसे वह ह्यस्वह्ल की चेतना प्रदान करती है, जिसके माध्यम से राष्ट्र संचालित है, इसलिए जब राजनीति संस्कृति के प्रतीकों को अपने क्षणिक संघर्ष का औजार बना लेती है, तब यह किसी स्तर का विवाद न होकर सीधे राष्ट्रीय चेतना पर प्रहार हो जाता है। अभी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली आन्दोलन को बहुत समय नहीं बीता है, वहां सभी ने देखा कि कैसे हिन्दू मानबिन्दुओं को अपमानित किया गया। हिन्दू सभ्यता, सनातन संस्कृति न जाने कितने ही मुद्दे रहे जो नीट को छोड़कर थे और जिसके केंद्र में हिन्दू घृणा थी। यह कोई उम्मीद नहीं कर रहा था कि विरोध के नाम पर छात्र आन्दोलन के बहाने जो कीचड़ जंतर-मंतर पर उछाली जा रही थी, वही संसद में हिन्दू आस्था और प्रतीकों पर भद्र कहे जानेवाले कथित सांसदों द्वारा भी उछाली जाएगी !

वस्तुतः संसद परिसर में भगवा वस्त्र धारण कर विपक्ष के कुछ सांसदों द्वारा राम मंदिर के चढ़ावे की कथित अनियमितताओं को लेकर किया गया प्रदर्शन इसी दृष्टि से गंभीर प्रश्न खड़े करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार से प्रश्न पूछना विपक्ष का धर्म है, किंतु धर्म निभाने और धर्म का प्रतीक पहनकर राजनीतिक अभिनय करने में मूलभूत अंतर है।

राजनीति में अक्सर देखा गया है कि जब भी विचार समाप्त होने लगते हैं, तब प्रतीकों का नाटकीय उपयोग बढ़ने लगता है। तर्कों के स्थान पर दृश्य रचे जाते हैं, तथ्यों के स्थान पर अभिनय प्रस्तुत किया जाता है और फिर भावनाओं को झकझोरने का प्रयास होता है, जिसमें कि मूल विषय आधारित विमर्श कहीं बहुत पीछे छूट चुका होता है।

संसद परिसर में दानपेटी रखकर, भगवा वस्त्र पहनकर और उस वेशभूषा को कथित भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है। यदि किसी ट्रस्ट, संस्था या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितता का संदेह है तो उसका समाधान जांच, प्रमाण और विधिक प्रक्रिया से होगा। संसद में प्रश्न पूछे जा सकते हैं, दस्तावेज रखे जा सकते हैं, जांच की मांग की जा सकती है, किंतु नहीं, कथित भद्र सांसदों को तो संन्यासी के वेश को राजनीतिक नाटक का हिस्सा बनाना था, सो बना दिया गया!

यहां एक प्रश्न विपक्ष से भी पूछा जाना चाहिए। यदि लोकतंत्र में समानता का सिद्धांत सर्वोपरि है, तो क्या वही राजनीतिक प्रयोग किसी अन्य धर्म के अत्यंत पवित्र धार्मिक परिधान के साथ भी किया जाता? यदि इस संदर्भ में उत्तर नकारात्मक है, तो यह हिन्दू और गैर हिन्दू के लिए मापदंड अलग-अलग क्यों है? कथित सांसद ये कैसे भूल गए, धर्मनिरपेक्षता का वास्तविक अर्थ सभी आस्थाओं के प्रति समान सम्मान है, न कि चयनात्मक संवेदनशीलता। क्योंकि किसी में हिम्मत नहीं है कि चर्च आधारित व्यवस्था- नन और पास्टर का चोंगा पहनकर इस तरह का नाटक किया जाता? क्या जालीदार टोपी लगाकर कुर्ता-पजामा पहनकर ऐसा नाटक संसद में किया जाना संभव है? क्या ईसाई एवं इस्लाम में अपराध नहीं घट रहे? क्या देश की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी जनसंख्या में सभी ईमानदार हैं? बिशप फ्रैंको मुलक्कल मामला, मलंकरा ऑर्थोडॉक्स चर्च ब्लैकमेल केस, फादर रॉबिन केस व सख्त रवैया, फादर अलीनो डी मेलो और फादर विक्टर रोड्रिगेज, जैसे अनेकों बड़े प्रकरण गिनाए जा सकते हैं, जो चर्च से, मिशनरी से जुड़े हुए हैं। इस्लाम और मुस्लिम समुदाय में भी मदरसों, मस्जिदों, मुल्ला-मौलवियों और वक्फ बोर्ड से जुड़े यौन शोषण, बलात्कार और बड़े पैमाने पर भूमि विवाद के संबंधित भ्रष्टाचार के कई गंभीर मामले हैं। तो क्या ये प्रबुद्ध कथित सांसद उनके प्रतीक बनाएंगे? यह समझना आवश्यक है कि भगवा रंग का महत्व किसी राजनीतिक दल ने निर्धारित नहीं किया। यह महत्व हिन्दू सनातन धर्म में हजारों वर्षों की तपस्या से अर्जित साधना का परिणाम है। ऋग्वेद का प्रथम मंत्र अग्नि को समर्पित है। वही अग्नि, जिसकी ज्वाला केसरिया है, भारतीय चिंतन में शुद्धि, समर्पण और तप की प्रतीक बनी। उपनिषदों ने संन्यासी को अग्नि के समान बताया है। जिसके लिए कहा गया कि वह स्वयं तपता है और समाज को प्रकाश देता है, इसलिए भगवा वस्त्र धारण करना अपने अहंकार का विसर्जन कर लोकमंगल के लिए स्वयं को समर्पित करने की प्रतिज्ञा है।

महाभारत के अनुशासन पर्व में संन्यास को आत्मसंयम की सर्वोच्च अवस्था कहा गया है। परंपरा में संन्यास ग्रहण करने वाला व्यक्ति अपने सांसारिक जीवन का प्रतीकात्मक अंत करता है। उसके बाद उसे भगवा धारण करने का अधिकार मिलता है, इसलिए भारतीय समाज में भगवा वस्त्र किसी अभिनय का परिधान कभी नहीं हो सकता, यह त्याग का सार्वजनिक व्रत है। इसी कारण भारतीय जनमानस में भगवा के प्रति श्रद्धा धर्म से जुड़ी होने के साथ ही सांस्कृतिक भी है। भगवान श्रीराम के ध्वज से लेकर अर्जुन के कपिध्वज तक, आदि शंकराचार्य की दिग्विजय से लेकर स्वामी विवेकानंद के विश्वधर्म सम्मेलन तक, छत्रपति शिवाजी महाराज के जरिपटके से लेकर गुरु गोविंद सिंह के निशान साहिब तक ह्यकेसरिया रंगह्ल भारतीय आत्मविश्वास, आत्मबल और आत्मत्याग का ध्वज रहता आया है। यह भारत की सभ्यतागत स्मृति जो चिरकाल तक रहनेवाली है, जब तक कि इस धरा पर सनातन हिन्दू धर्म को माननेवाले एक व्यक्ति भी जीवित है। वस्तुतः विश्व हिंदू परिषद और अनेक संतों ने आज इसी कारण इस प्रदर्शन पर तीखी आपत्ति जताई है। उनकी आपत्ति का मूल बिंदु यह है कि यदि किसी धार्मिक प्रतीक का उपयोग व्यंग्य या राजनीतिक आरोपों के मंचन के लिए किया जाएगा, तो इससे करोड़ों लोगों की आस्था प्रभावित होगी और यह सच भी है, इससे जुड़े आज हमारे सामने अनेक उदाहरण भी मौजूद हैं। धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक नाट्यरूपांतरण स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। अच्छा होता, इस तरह से भगवा का स्वांग करने के स्थान पर कथित सांसद पहले भगवा वस्त्र के भाव को समझने का प्रयास करते। वैसे अभी भी समय नहीं बीता है, वे इसे जानें, आखिर इसका महत्व क्या है? वे अपने भारतीय इतिहास के कठिनतम क्षणों में याद करें। विदेशी आक्रमणों के समय यही भगवा ध्वज प्रतिरोध का प्रतीक बना। संन्यासियों ने अनेक अवसरों पर समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष भी किया और बड़ी संख्या में हुतात्मा भी हुए। इसी कारण यह रंग श्रद्धा और बलिदान दोनों का प्रतिनिधि है। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि बौद्ध भिक्षुओं का काषाय चीवर, जैन तपस्वियों की परंपराएं और सिख पंथ का केसरिया निशान जैसी अनेक धाराएं हैं, सभी भारतीय आध्यात्मिक धारा में इसी रंग की प्रतिष्ठा को पुष्ट करते हैं। अर्थात यह किसी एक संगठन, संप्रदाय या राजनीतिक विचारधारा का प्रतीक न होकर संपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की साझा विरासत है।

संसद लोकतंत्र का मंदिर कही जाती है। मंदिर में प्रवेश करने वाला व्यक्ति अपने व्यवहार पर संयम रखता है; संसद में भी वही अपेक्षा होनी चाहिए। वहां विरोध हो, सरकार की कठोर आलोचना हो, किंतु तथ्यों पर आधारित हो। यह लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। पर यदि विरोध की भाषा इस सीमा तक पहुंच जाए कि वह किसी सभ्यता के पूज्य प्रतीकों को राजनीतिक अभिनय का उपकरण बना दे, तो लोकतंत्र का स्तर ऊंचा नहीं होता, बल्कि सार्वजनिक विमर्श की गरिमा घटती है।

परिवार में महिलाओं को भी अपने सपने पूरे करने के पर्याप्त अवसर मिलें

संसद में उठने वाली हर आवाज देश के लोकतांत्रिक संस्कारों का परिचय देती है। जब किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद के विचारों का उत्तर तथ्यों के बजाय व्यंग्य और उपहास से दिया जाता है, तब प्रश्न प्रश्न उठना स्वभाविक है, यह प्रश्न बौद्धिक विमर्श की गुणवत्ता का है।

कृष्णमोहन झा

विगत दिनों विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित ₹ युगानुकूल मातृत्व ₹ कार्यक्रम के समापन सत्र में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो सारगर्भित व्याख्यान दिया वह पूरी तरह मातृत्व विमर्श पर केंद्रित था। संघ प्रमुख ने अपने व्याख्यान में इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि आदिकाल से मातृत्व ही सृष्टि का आधार रहा है और मातृत्व के बिना सृष्टि का सृजन,संवर्धन और पोषण संभव नहीं है।मनुष्य की प्रथम गुरु माता होती है जो संस्कारित करने के साथ ही उसके विचारों को सही दिशा प्रदान करती है। माता जीवन भर उसे भावनात्मक संबल भी प्रदान करती है। मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा में मातृत्व और परिवार लंबे समय से चिंतन का विषय रहा है ।स्वामी विवेकानंद, महात्मा गॉधी और रवींद्र नाथ टैगोर ने इस विषय पर महत्वपूर्ण विचार रखे हैं।

संघ प्रमुख ने आगे कहा कि परिवार में समय देना और संवाद बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान करना माता पिता का दायित्व है इसलिए उन्हें निरंतर अपना स्वयं का ज्ञान भी बढाते रहना चाहिए। माता पिता को बच्चों के सामने खुद आदर्श आचरण प्रस्तुत करना होगा क्यों बच्चों में बडों.का अनुकरण करने की प्रवृत्ति होती है। भागवत ने कहा कि समाज में अनेक विमर्श भ्रम के कारण चलते हैं। भारतीय संस्कृति के बारे में यह भ्रम फैलाया गया कि हमारी परंपराएं गलत हैं जबकि वास्तविकता यह है कि हमारा सांस्कृतिक आधार अत्यंत प्रबल और प्रत्यक्ष है। भागवत ने कहा कि हमें अपने इतिहास, ज्ञान और परंपराओं पर विश्वास रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। संघ प्रमुख ने विविधता में एकात्म भाव को भारतीय संस्कृति का मूल संदेश बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत में रहते हुए भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप जीवन जीना चाहिए। भागवत ने अपने भाषण में अन्य देशों के जीवन मूल्यों का अंधानुकरण करने के बजाय भारतीय दृष्टिकोण के आधार पर समाज और परिवार व्यवस्था को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि संघ प्रमुख भागवत मोहन भागवत अपने व्याख्यानों में हमेशा ही राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए इस बात पर विशेष जोर देते हैं कि राष्ट्र की उन्नति के लिए महिला सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है।विगत दिनों नई दिल्ली में विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमह्युगानुकूल मातृत्वह्र के समापन समारोह में दिए गए अपने उदबोधन में उन्होंने अपने इसी मंतव्य को दोहराते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए पुरुषों में भी जागरूकता लाना आवश्यक है और इसकी शुरूआत परिवार से होना चाहिए।भागवत ने कहा कि केवल इसलिए कि महिलाएं सक्षम हैं ,उन पर परिवार की सारी जिम्मेदारी नहीं डाली जाना चाहिए बल्कि परिवार को एक टीम की तरह काम करना चाहिए जिसमें परिवार के हर सदस्य की जिम्मेदारी तय होना चाहिए। भागवत ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए आगे कहा कि परिवार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिवार की जिम्मेदारियों के निर्वहन करते महिलाओं को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने का पर्याप्त अवसर मिले।परिवार को स्वयं से यह पूछना चाहिए वह महिलाओं को ऐसे कौन से अवसर प्रदान कर सकता है जिसमें वह अपने सपनों को साकार कर सके यह तभी संभव हो सकता है इसके परिवार के सभी सदस्यों की प्राथमिकताएं तय होना चाहिए ।

संघ प्रमुख का कहना था कि व्यक्ति को शांति और संतोष की अनुभूति तभी हो सकती है जब उसे अपनी पसंद का कार्य करने का अवसर मिले। संघ प्रमुख ने समाज में ऐसा वातावरण बनाने का आह्वान किया जिसमें महिलाओं वह सम्मान और सहयोग जिसकी वे हकदार हैं। भागवत ने कहा जिस तरह पहले के समय में घर की वित्तीय व्यवस्था और महत्वपूर्ण फैसलों में महिलाओं की भूमिका प्रमुख होती थी और परिवार आपसी सलाह मशवरा से चलते थे वही साझेदारी की भावना विकसित करने की आज आवश्यकता है।

विश्व मांगल्य सभा के एक अन्य कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि कहा कि विवाह जीवन में अनुशासन लाता है और धर्म व जिम्मेदारी का भाव पैदा करता है। इसके विपरीत लिव इन रिलेशनशिप में लोग जिम्मेदारी से बचकर केवल सुख चाहते हैं। जब तक मन करे, साथ रहो और जब मन न करे अलग हो जाओ। इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं होती भागवत ने लिव इन रिलेशनशिप के परिणाम सारी दुनिया देख रही है। आधुनिकता का विरोध नहीं किया जा सकता लेकिन परंपराओं को पूरी तरह छोड़ देना भी उचित नहीं है।भागवत ने कहा इस बात पर जोर दिया कि समय के साथ बदलाव जरूरी है लेकिन वह परिवार और समाज को मजबूत करने वाला होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मातृ शक्ति के सशक्तिकरण, परिवार व सामाजिक जागरण के लिए समर्पित संगठन विश्व मांगल्य सभा की स्थापना 2010 में स्वामी जितेंद्र नाथ महाराज ने की थी। यह संगठन आज देश के प्रांतों में सामाजिक सांस्कृतिक एवं वैचारिक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन के लिए अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा है

नागपंचमी और महाशिवरात्रि पर खुलने वाले ये अनोखे मंदिर

श्रावण मास भगवान शिव को अति प्रिय है। सावन का इस महीने का इंतजार शिवभक्त लंबे समय से करते हैं। देशभर के शिवालयों में भक्तों की लंबी-लंबी लाइनें देखने को मिलती है।

कुछ भक्तजन जलाभिषेक करने जाते हैं, तो कई लोग अपनी मनोकामना को लेकर भगवान भोलेनाथ के दरबार में पहुंच सकती हैं। क्या आप भी सावन में भगवान शिव के अनोखे मंदिरों के दर्शन करना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। हिंदूधर्म

भगवान शिव के अनोखे मंदिर

भारत में भगवान शिव के हजारों मंदिर हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी मंदिर हैं जो अपनी अनोखी परंपराओं के लिए अलग पहचान रखते हैं। इन्हीं में से दो मंदिर ऐसे हैं जिनके कपाट पूरे साल बंद रहते हैं। सिर्फ साल में एक बार इनके कपाट खोले

जाते हैं। बता दें कि, एक मंदिर के कपाट सावन में खुलते हैं। दूसरे के कपाट भगवान शिव के ही खास त्योहार पर खोले जाते हैं। आइए आपको इन दोनों मंदिर के बारे में बताते हैं।

उज्जैन का नागचंद्रेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिला में स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में तीसरी मंजिल पर भगवान नागचंद्रेश्वर का भी मंदिर है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इसके कपाट सिर्फ साल में एक बार नाग पंचमी के दिन 24 घंटे के लिए खोले जाते हैं। जबकि पूरा साल यह मंदिर बंद रहता है।

क्यों है यह मंदिर इतना खास?

इस मंदिर में भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की दुर्लभ प्रतिमा है। यहां भगवान शिव नाग की शय्या पर हैं। ऐसी प्रतिमा बहुत कम जगह देखने को मिलती है। माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन यहां दर्शन करने और पूजा करने से भगवान शिव और नाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यहां आने वाले श्रद्धालु मानते हैं सच्चे मन से प्रार्थना करने पर उनकी मनोकामनाएं जरुर पूर्ण होती हैं। वैसे इस मंदिर के दर्शन के कालसर्प दोष दूर हो जाता है।

कैसे पहुंचें उज्जैन के नागचंद्रेश्वर मंदिर?

यहां जाने के लिए आपको उज्जैन पहुंचना होगा। सबसे पहले आप उज्जैन जंक्शन मेन रेलवे स्टेशन पहुंच जाए। वहां से मंदिर मात्र 2 से 3 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां से ऑटो या ई-रिक्शा आसानी से मिल जाएगा। फ्लाइट से आने के लिए आपको इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट पर उतरना होगा, जो कि उज्जैन से करीब 53 किलोमीटर दूर है। यहां से आप बस या ट्रैक्सी लेकर पहुंच सकते हैं। इसके अलावा आप बस या प्राइवेट कार से भी उज्जैन पहुंच सकते हैं। उज?जैन के नागचंद्रेश्वर मंदि?र इस तरह पहुंच सकते हैं-

पूजास्थल

- नागचंद्रेश्वर मंदि?र के लि?ए आपको महाकाल मंदिर के लिए ऑटो या टैक्सी ले सकते हैं।
- महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सबसे ऊपरी मंजिल पर नागचंद्रेश्वर मंदिर मौजूद है।
- नागपंचमी के दौरान यहां काफी भीड़ देखने को मिलती है।

रायसेन का सोमेश्वर महादेव मंदिर

एमपी के रायसेन जिले की पहाड़ियों पर स्थित है सोमेश्वर महादेव मंदिर, जो अपनी अनोखी परंपरा के लिए जाना जाता है। यह मंदिर ऊंचाई पर बना हुआ और यहां पर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को चढ़ाई करनी पड़ती है।

कब खुलते हैं सोमेश्वर महादेव मंदिर के कपाट?

यहां के लोकल के अनुसार, इस मंदिर के कपाट महाशिवरात्रि के दिन कुछ घंटों के लिए खोले जाते हैं। इसी समय भक्तजन पूजा और दर्शन के लिए आते हैं। वरना पूरे साल यह मंदिर बंद रहता है।

मंदिर बंद रहने पर भी पहुंचते हैं श्रद्धालु

जब यह मंदिर बंद रहता है, तो तभी श्रद्धालु यहां आना नहीं छोड़ते है। लोग मंदिर के बाहर से ही भगवान शिव को प्रणाम करते हैं और अपनी श्रद्धा को दशार्ते हैं। यहां पर आने वाले कई श्रद्धालुओं अपनी मनोकामना मांगते समय मंदिर के प्रवेश द्वार पर कलावा बांधते हैं। कहा जाता है कि इच्छा पूरी होने पर भक्त यहां पर दोबारा आकर कलावा खोलते हैं। वैसे यह यह स्थानीय परंपरा है।

कैसे पहुंचें रायसेन के सोमेश्वर महादेव मंदिर?

- यह मंदिर मध्य प्रदेश के रायसेन में स्थित है। इसलिए आपको रायसेन पहुंचना होगा।
- एमपी की राजधानी भोपाल से रायसेन करीब 45 किलोमीटर दूर है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार दिनांक 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक मतदाता विशेष गहन पुनरिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा था।जिसके अंतर्गत एक निश्चित समय सीमा के अंतर्गत सभी सूचित मतदाताओं को इनोमरेशन फार्म घर घर जाकर वितरण की गई और पुनः उस फार्म को मतदाता से भरवाकर वापस ली गई। उसे संबंधित बीएलओ के द्वारा मोबाईल ऐप से आनलाइन अपलोड किया गया।समयाबद्ध होकर यह एक तकनीकी कार्य बीएलओ और उनके पर्यवेक्षक के लिए काफी चुनौतीपूर्ण थी।इस कार्य को सम्पन्न करने में राजमहल का प्रदर्शन पुरे साहिबगंज जिले में अव्वल रहा। इस सफलता के पीछे सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी राजमहल की

पूर्व की गई तैयारी और अथाह सहयोग, बीएलओ पर्यवेक्षक के सर्वोत्तम कार्य प्रबंधन,बीएलओ के द्वारा कठिन मेहनत ही रहा।इस पुरे कार्य को राजमहल विधानसभा क्षेत्र के 383 मतदान केंद्रों में सबसे पहले 16 जुलाई की आधी रात को सर्वोत्कृष्ट तरीके से शत प्रतिशत आनलाइन कार्य सम्पन्न करने वाले मतदान केंद्र संख्या 185 के बीएलओ रिंकी कुमारी रहीं जो बीएलओ पर्यवेक्षक कैलाश वर्मा के 178 से 185 (गुनिहारी) के पर्यवेक्षण क्षेत्र की थीं।साथ ही बीएलओ पर्यवेक्षक के रूप में कैलाश वर्मा ने सर्वोत्कृष्ट कार्य सम्पन्न किया जिनके पर्यवेक्षण क्षेत्र के छःबीएलओ ने 22 जुलाई तक एवं शेष दो बीएलओ ने 25 जुलाई 2026 तक शत प्रतिशत आनलाइन कार्य सम्पन्न कर लिया।बीएलओ रिंकी कुमारी ने बताया कि उनके पर्यवेक्षक कैलाश वर्मा ने सुबह पांच बजे से रात ग्यारह बजे तक लगातार कठिन पर्यवेक्षण करते रहे।एवं उनके वोलेंटियर सह पति उज्जवल घोष ने भी भरपूर साथ दिया।कभी कभी तो रात भर आनलाइन कार्य करना पड़ा। वहीं कैलाश वर्मा ने बताया कि विपरीत मौसम में समयबद्ध होकर यह कार्य काफी कठिन था। उनके पर्यवेक्षण क्षेत्र 178 से 185 गुनिहारी के सभी बीएलओ एवं उनसे संबंधित सभी मतदाताओं पर उनकी नजर थी।अधिकतम मतदाता इनोमरेशन फार्म को प्राप्त कर उसे भरकर अपने बीएलओ को समय से वापस नहीं किए।इस कारण उन्हें एवं बीएलओ को घर घर जाकर मतदाताओं के निर्देशन में इनोमरेशन फार्म खुद भरकर वापस लेना पड़ा। आनलाइन कार्य सम्पन्न करने के लिए गुनिहारी पंचायत भवन में ही सुबह पांच बजे से रात तक कैंप करने लगे। इस प्रकार पुरे राजमहल में इन्हीं के पांच बीएलओ क्रमशः रिंकी कुमारी 185 अंजू देवी 181 मुन्नी मालतो184 निर्जला देवी 180 एवं बिमला देवी 179 ने सबसे पहले शत प्रतिशत आनलाइन कार्य सम्पन्न कर दिया।इस कार्य के लिए मुखिया जी सुखवा उरांव रोजगार सेवक भीएलई एवं पंचायत सहायकों ने भरपूर सहयोग दिया।कैलाश वर्मा ने यह भी बताया कि निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी महोदय के निदेशानुसार अपना सभी बीएलओ का कार्य समाप्त होने के बाद अन्य पर्यवेक्षक के 20 बीएलओ को भी 29 जुलाई 2026 की रात तक लगातार मदद देकर उनका भी आनलाइन कार्य शत प्रतिशत सम्पन्न कराया गया।बीएलओ रिंकी कुमारी एवं बीएलओ पर्यवेक्षक कैलाश वर्मा को उनके सर्वोत्कृष्ट कार्य सम्पन्नता के लिए राजमहल सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी, मो0 युसूफ के द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया एवं बधाई दी गई एवं निरंतर अच्छे कर्तव्य निर्वहन करने के लिए शुभकामनाएं दी गई। साथ ही अन्य सभी बीएलओ को भी प्रशस्ति पत्र देकर उनके अच्छे कर्तव्य के लिए सम्मानित किया गया।सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचलाधिकारी, मो0 युसूफ ने बताया कि एस आईआर दुसरे चरण में 5 अगस्त 2026 को ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होना है।जिस योग्य मतदाता का नाम उस सूची में शामिल नहीं हो पाएगा उन्हें परेशान नहीं होना है।वैद्य सभी दस्तावेज के साथ फार्म 6 भरकर अपने बीएलओ को जमा कर देंगे जिससे मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में उनका नाम निश्चित रूप से आ जाएगा।मौके पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सूर्य नारायण चौधरी,प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी गगन बापू,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी,सभी बीएलओ पर्यवेक्षक एवं सभी बीएलओ उपस्थित थे।

दिशोम गुरु की प्रथम पुण्यतिथि पर प्रतिमा का हुआ भव्य अनावरण

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर साहिबगंज में श्रद्धा, सम्मान और गौरव का एक ऐतिहासिक क्षण साकार हुआ। मंत्री, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार निबंधन रहित परिवहन विभाग, झारखंड सरकार, श्री दीपक बिरुवा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा स्थानीय साक्षरता चौक व समाहरणालय परिसर के समीप स्थापित दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी की नवनिर्मित प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया।प्रतिमा अनावरण के उपरांत उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने दिशोम गुरु के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और झारखंड राज्य के निर्माण, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों की रक्षा एवं सामाजिक न्याय के लिए उनके आजीवन संघर्ष और अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

जबकि कार्यक्रम स्थल पर गरिमामय वातावरण के बीच जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर महान जननायक के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी के आदर्शों पर चलने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने तथा झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक व सामाजिक विरासत को आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प भी दोहराया।

प्रकृति वनस्पति का उपयोग जानकारी होने पर ही करें : डॉ रणजीत

- साहिबगंज में पतंजलि द्वारा जड़ी-बूटी दिवस का आयोजन औषधीय पौधों का वितरण व संरक्षण का लिया गया संकल्प

संवाददाता

साहिबगंजः पतंजलि योगपीठ भारत स्वाभिमान के संयुक्त तत्वावधान में दीप प्रज्वलित कर किया साथ अतिथियों का स्वागत औषधि पौधे पुस्तक भेंट किया गया `साहिबगंज में जड़ी-बूटी दिवस व आचार्य बालकृष्ण के जन्म जयंती का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य औषधीय पौधों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेद आधारित स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में जड़ी-बूटियाँ केवल औषधि नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि तुलसी, नीम, गिलोय, अश्वगंधा, आँवला, ब्राह्मी शतावरी एवं एलोवेरा जैसे औषधीय पौधे स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने झारखंड, विशेषकर राजमहल एवं संथाल परगना क्षेत्र की जैव विविधता और औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों, शोधकताओं तथा समाज के सामूहिक प्रयासों से इस अमूल्य प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखा जा सकता है। इस अवसर पर दर्जनों औषधि पौधे का आम जन के बीच में वितरण किया गया। जबकि विशिष्ट अतिथि जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने भी औषधीय पौधों के संरक्षण एवं जनस्वास्थ्य में आयुर्वेद की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें मुनी जी पांडे, चन्दना सहा जिला प्रभारी, पतंजलि रचना देवी भारत स्वाभिमान रूपम कुमारी, अनीता कुमारी, नेहा तुलस्यान, सरिता पोद्दार, सुरभि कुमारी, सरिता मोदी, सबिता अग्रवाल, मनजीत कौर एवं गुंजन देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक औषधीय पौधे लगाने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा आयुर्वेद आधारित स्वस्थ व प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण

संवाददाता

साहिबगंजःपद्म भूषण से अलंकृत झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर आज परिसदन साहिबगंज में श्रद्धा, सम्मान एवं जनसेवा की भावना से ओत-प्रोत एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए पात्र दिव्यांग लाभुकों के बीच विभिन्न सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।कार्यक्रम में मंत्री राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार निबंधन रहित परिवहन विभाग, झारखंड सरकार, श्री दीपक बिरुवा ने दिव्यांग लाभुकों को अपने कर-कमलों से सहायक उपकरण प्रदान किए। इस दौरान कुल 20दिव्यांगजनों के बीच व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, बैटरी संचालित ट्राईसाइकिल, कमोड

चेयर, वॉकिंग स्टिक, बैसाखी, कमर एवं घुटने के बेल्ट सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।अपने संबोधन में मंत्री श्री दीपक बिरुवा ने कहा कि झारखंड सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज की अमूल्य शक्ति हैं। उन्हें सम्मान, समान अवसर आत्मनिर्भरता तथा जीवन की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुँचाया जाए।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जेपीएससी-जीएसएससी भर्ती अनियमितताओं पर जेएलकेएम का प्रदर्शन

संवाददाता

साहिबगंज : जेएलकेएम ने जेपीएससी-जीएसएससी में अनियमितता का आरोप लगाते हुए मंगलवार को सदर अनुमंडलीय कार्यलाय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया।इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अर्जुन कुमार महतो ने की। इसके उपरांत एक शिष्टमंडल ने राज्यपाल के नाम डीसी को ज्ञापन सौंपा।जिला अध्यक्ष अर्जुन महतो ने बताया कि टीडीपीएल एजेंसी के चयन, कार्यप्रणाली एवं भूमिका की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए।जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करते हुए दोषी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन परीक्षाओं में अनियमितता प्रमाणित हो,उन्हें निरस्त कर पुनः निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आयोजित किया जाए।भविष्य में जेपीएससी एवं जीएसएससी की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन निजी एजेंसियों के बजाय आयोग स्वयं

अपनी प्रत्यक्ष निगरानी में कराए।मुख्य परीक्षाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कर पारदर्शी मूल्यांकन व्यवस्था लागू की जाए। भर्ती परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए प्रभावी एवं कठोर कानून बनाया जाए।आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति पूर्णतःयोग्यता,निष्पक्षता एवं पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर की जाए।भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का विश्वास बहाल करने हेतु व्यापक संस्थागत एवं प्रशासनिक सुधार किए जाए। ज्ञापन में परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार,पारदर्शिता सुनिश्चित करने,दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा भविष्य में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती व्यवस्था लागू करने की मांग की गई।मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी संस्था की छवि धूमिल करना नहीं,बल्कि राज्य के लाखों अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करना तथा योग्यता आधारित,निष्पक्ष और पारदर्शी मती व्यवस्था सुनिश्चित कराना है।उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार समय रहते उचित कार्रवाई नहीं करती है चो लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर आगे भी चरणबद्ध जनआंदोलन जारी रहेगा।मौके पर पूर्व विधायक थॉमस सोरेन,भोला महतो,जिला प्रवक्ता पंचानंद मंडल,एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र पहाडिया,प्रकाश कुमार,विशु चर्मकार,कद्रीय समिति के पदाधिकारी पंकज महतो सहित अन्य थे।

युवाओं की आवाज सुनने के बजाय सरकार मौन धारण किए हुए है : निखिल

जब परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है या पैसे के दम पर सीटें खरीदा जाता हैं

संवाददाता

साहिबगंजःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बोरियो इकाई के द्वारा नगर मंत्री निखिल राज के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र झारखंड लोक सेवा आयोग में हुए गड़बड़ी, घोटाले व भ्रष्टाचार के विरोध में मशाल यात्रा निकाल कर सेटिंग गेटिंग नाय चलतो 14 वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करों 60,40 नाय चलतो जैसे नारे लगाकर विरोध जताया। परीक्षा में पारदर्शिता लाने की बात कहीं ओर जेपीएससी व जेएससीए परीक्षाओं का सी बी आई जांच कर दोषियों पर कार्रवाई कर कड़ी से कड़ी सजा देने की बात कही।

विभाग संयोजक संजय दादा ने कहा विद्यार्थी परिषद झारखंड के राजधानी रांची में जयपालसिंह मुंडा स्टेडियम पर चल रहे

छात्र आंदोलन का समर्थन करता है। उन्होंने आगे कहा कि विगत ग्यारह दिनों से झारखंड के हजारों युवा में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। किंतु राज्य सरकार का रवैया अत्यंत उदासीन है। युवाओं की आवाज सुनने के बजाय सरकार मौन धारण किए हुए है।जो उनके भविष्य के प्रति गैर- जिम्मेदारी को दशार्ता है। झारखंड लोक सेवा आयोग की बात करें तो प्रथम से लेकर हालिया परीक्षाएं ने राज्य गठन के बाद से अब तक कुल 14 सिविल सेवा परीक्षाएं ली हैं, जिनमें पहली बार जेपीएससी 2003 से लेकर 11वीं से 13वीं और हाल ही में हुई 14वीं प्रारंभिक परीक्षा शामिल हैं।पेपर लीक और अनियमितताएं लगभग हर बार प्रारंभिक परीक्षा के पेपर लीक, उत्तर पुस्तिकाओं में हेरफेर, और कट-ऑफ तय करने में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। विशेष रूप से 2012 की जेपीएससी परीक्षा में सीबीआई सीबीआई ने जांच करके कई अधिकारियों व उम्मीदवारों पर चार्जशीट दाखिल की थी।वहीं नगर मंत्री निखिल राज ने कहा झारखंड के मुख्यमंत्री ही शिक्षा मंत्री है जेपीएससी में हुए धांधली का उत्तरदाई कौन लेगा सरकार हर साल रोजगार देने का वादा किया था लेकिन अब छात्रों को बकरी और सुअर पालने को कह रही है और परीक्षा एंजेसियों के हाथों सारी सीटें बेचकर छात्रों को धोखा देने का काम कर रहा है एक तो क्लस्टर सिस्टम ला करके छात्रों के ऊपर ठोकने का प्रयास कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर छात्रवृत्ति सरकार नहीं दे पा रही है इससे छात्रों का भविष्य अंधकार में की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री से कहना है कि झारखंड के युवाओं को मैया योजना नहीं रोजगार चाहिए और आप नहीं दे सकते हैं तो अपना त्यागपत्र दे दीजिए।कार्यकारिणी सदस्य सुरज तुरी ने कहा हम सरकार और संबंधित अधिकारियों से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हैं जो विद्यार्थी बचपन से ही 10झ12 साल तक दिन-रात मेहनत कर-के पढ़ाई करते हैं, अपने सपनों के लिए संघर्ष करते हैं, उनका क्या दोष है? जब परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है या पैसे के दम पर सीटें खरीदा जाता हैं।तब सबसे बड़ा नुकसान उन्हीं मेहनती युवाओं का होता है। अगर कुछ लोग लाखों रुपये देकर प्रश्नपत्र खरीद लें या भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्ट बना दें।तो क्या इसका मतलब यह है कि मेहनत और ईमानदारी की कोई कीमत नहीं रह गया क्या सरकार युवाओं

न्यूज IN ब्रीफ

इ्यूटी के दौरान एएसआई पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंजःकोटालपोखर थाना क्षेत्र के पलासबोना गांव में इ्यूटी के दौरान एएसआई हेमंत यादव पर चाकू से हमला कर दिया गया।घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें इलाज के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हेमंत यादव की गंभीर अवस्था को देखते हुए उसे पाकुड़ से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक नशे की हालत में चाकू लेकर लोगों में दहशत फैला रहा है।युवक को पकड़ने के दौरान उसने एएसआई पर हमला कर दिया।पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया है।

आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता और गति में उल्लेखनीय सुधार होगा : मंत्री

साहिबगंजःआमजन को त्वरित प्रभावी एवं आधुनिक पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए डायल112 के 15 अत्याधुनिक आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहनों को आज साहिबगंज पुलिस मुख्यालय परिसर से मंत्री राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार निबंधन रहित व परिवहन विभाग झारखंड सरकार दीपक बिरुवा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जबकि मंत्री श्री बिरुवा ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों की सुरक्षा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर आधुनिक संसाधनों से पुलिस व्यवस्था को सशक्त कर रही है। डायल112 सेवा के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए ये वाहन जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को और अधिक प्रभावी बनाएंगे और आमजन को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इन नए वाहनों के संचालन से जिले में आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता और गति में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे पुलिस एवं जनता के बीच विश्वास और समन्वय को भी नई मजबूती मिलेगी कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी ढंग से बनाए रखने में सहायता प्राप्त होगी।इस अवसर पर माननीय जनप्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी पुलिस अधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शास्त्रीय धुनो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मेधावी छात्र सम्मानित

हजारीबागः पैराडाइज रिजॉर्ट में स्वर भारती म्यूजिक एकेडमी का 19वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत भव्य और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर प्रोफेसर चंद्रभूषण शर्मा, विशिष्ट अतिथि एनएसएस कोऑर्डिनेटर सरिता शर्मा, तथा विवि के भौतिकी एवं भूगर्भ विभाग के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर और पार्श्व गायिका आशा भोसले व दिवंगत रंगकर्मी निशीकांत सिंह के चित्रों पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। अतिथियों ने संगीत को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए संस्था के 19 वर्षों के सांस्कृतिक योगदान की सराहना की। प्रथम सत्र में प्रख्यात शास्त्रीय गायिका मौमिता मित्रा ने राग मधुवंती और ठुमरी कौन गली गए श्याम की मनमोहक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसमें तबले पर प्रणय चटर्जी और हारमोनियम पर संरक्षक प्रतिभानंद ने उत्कृष्ट संगत की। इसके बाद ख्यातिप्राप्त केडिया बंधु (मोर मुकुट केडिया एवं मनोज केडिया) ने सितार और सरोद पर राग चंद्रनंदन की प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसमें तबला वादक रवि शंकर सिंह ने सशक्त संगत की।दूसरे सत्र में झारखंड के नीट दूसरे टॉपर और एकेडमी के पूर्व छात्र संजीत कुमार को सम्मानित किया गया। संजीत की माँ भूगर्भ विभाग में दैनिक वेतन भोगी कर्मी हैं। उन्हें स्वर भारती की ओर से 15,000 रुपये और विभागाध्यक्ष डॉ. एचएन सिन्हा की ओर से 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसके उपरांत 100 से अधिक विद्यार्थियों ने गायन, गिटार, बांसुरी और नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं। आशा एवं अरिजीत सिंह को समर्पित विशेष प्रस्तुतियाँ इस सत्र का मुख्य आकर्षण रहींसमारोह के अंतिम चरण में कुलपति व अतिथियों ने बच्चों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। संस्था के संरक्षक प्रतिभानंद ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। मंच संचालन संजय तिवारी और प्रतिभानंद ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सूरज दयाल, प्रिंस, संजय, किशन और सुभाष का विशेष योगदान रहा। विधायक प्रतिनिधि आकाश सुबोध, प्रदीप पाठक, प्रवीण जायसवाल और जितेंद्र सिन्हा सहित सैकड़ों कलाप्रेमी इस ऐतिहासिक संगीतमय संध्या के साक्षी बने।

पीसीसी रोड निर्माण का शुभारंभ

बरही : बरही के कोल्हुआकला पंचायत में नया पुल से तिलैया बस्ती पाइप लाइन रोड तक पीसीसी रोड निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। मुखिया मंगलदेव यादव ने नारियल फोड़ कर निर्माण कार्य शुरू कराया। पीसीसी रोड की मांग वर्षों से ग्रामीण करते आ रहे थे। इसके बन जाने से अब सभी मौसम में ग्रामीणों का आवागमन जारी रहेगा। वाहन भी इस रोड से आ जा सकेंगे। इस मौके पर मुखिया मंगलदेव यादव, धमराय पंचायत के मुखिया सरजू वर्मा, पंचायत समिति के सदस्य प्रभु यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मो जमीरुद्दीन, मुखिया प्रतिनिधि रवि यादव, वार्ड सदस्य मुकेश यादव, नकुल राम, समाजसेवी राजू राम, यशपाल यादव, संजय राम, मनोज पंडित, वीरेन्द्र यादव, सुरेश दास, ओम साईं के संवेदक समेत ग्रामीण शामिल थे।

सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज: प्रज्ञानानंद रैपिड चरण में शीर्ष पर, अब ब्लिट्ज मुकाबलों पर नजर

एजेंसी

सेंट लुईस : भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के रैपिड चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। नौ राउंड के बाद उन्होंने संभावित 18 में से 12 अंक जुटाए और इसी के साथ इस वर्ष के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। विश्व चैंपियनशिप 2026 की दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानानंद ने रैपिड चरण में सटीक रणनीति, बेहतरीन तकनीक और जीत के जज्बे का शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें अंतिम (नौवें) राउंड में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फोरेस्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे। उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सिंदारोव इसी वर्ष विश्व शतरंज चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भारत के डी. गुकेश को चुनौती देंगे। अमेरिका के वेस्ली सो भी 11 अंकों के साथ शीर्ष खिलाड़ियों की दौड़ में बने हुए हैं।

हालांकि, टूर्नामेंट का फैसला केवल रैपिड चरण से नहीं होगा। अब खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जहां प्रत्येक जीत पर एक अंक मिलेगा। कुल 2 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

यदि प्रज्ञानानंद अंतिम राउंड जीत जाते तो ब्लिट्ज चरण में उनकी बढ़त और मजबूत होती। रैपिड चरण में उन्होंने चार जीत, चार ड्रॉ और एक हार के साथ 12 अंक हासिल किए।

रैपिड चरण के बाद अंक तालिका में लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंगेज पेरेज, अनिश गिरी और विन्सेंट कीमर नौ-नौ अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इनमें विशेष रूप से कीमर ब्लिट्ज शतरंज के मजबूत खिलाड़ी माने जाते हैं और खिताबी दौड़ को रोचक बना सकते हैं। इस 10 खिलाड़ियों की राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता के बाद प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप का आयोजन होगा, जो क्लासिकल प्रारूप में खेला जाएगा।

रैपिड चरण के बाद शीर्ष खिलाड़ी:

1. आर. प्रज्ञानानंद (भारत) झ 12 अंक
2. जावोखिर सिंदारोव (उज्बेकिस्तान) झ 11 अंक
3. वेस्ली सो (अमेरिका) झ 11 अंक
4. लेवोन अरोनियन (अमेरिका), लेनियर डोमिंगेज पेरेज (अमेरिका), अनिश गिरी (नीदरलैंड) और विन्सेंट कीमर (जर्मनी) झ 9-9 अंक।

डीपीएल: सकारात्मक सोच और बेहतर रणनीति से मिली जीत : आयुष दोसेजा

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज. पर जीत के बाद वेस्ट दिल्ली लायंस के कार्यवाहक कप्तान आयुष दोसेजा ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरकर अपनी रणनीति को पूरी तरह सफल बनाया। दोसेजा ने कहा, ₹यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण जीत थी। कल की हार के बाद हम सकारात्मक मानसिकता के साथ वापसी करना चाहते थे। हमने अच्छी योजना बनाई, सकारात्मक रहे और अपनी रणनीति को पूरी तरह अमल में उतारा। कप्तान के तौर पर जिस तरह खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी निभाई, उससे मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने मैच के हीरो मयंक गुसाईं की जमकर तारीफ की। गुसाईं ने गेंदबाजी में चार ओवर में मात्र 13 रन देकर तीन विकेट लिए और बाद में 10 गेंदों पर नाबाद 19 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दोसेजा ने कहा, ₹मयंक ने शानदार गेंदबाजी की। वह बेहतरीन ऑलराउंडर हैं, लेकिन आज उनकी गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। टी20 मैच में चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट लेना शानदार प्रदर्शन है। उन्होंने जीत में सबसे बड़ा योगदान दिया और 'प्लेयर ऑफ द मैच' के हकदार थे। अपनी बल्लेबाजी पर दोसेजा ने कहा, ₹जब मैं बल्लेबाजी करने आया तब स्थिति थोड़ी चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि हम शुरूआती विकेट गंवा चुके थे। मेरी योजना पहले कुछ गेंदें खेलकर परिस्थितियों को समझने की थी। इसके बाद जब मुझे गैप मिलने लगे तो मैंने सकारात्मक क्रिकेट खेलते हुए लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने की कोशिश की। बारिश से प्रभावित परिस्थितियों पर उन्होंने कहा, ₹बारिश की वजह से हमारी योजनाओं में कुछ बदलाव करना पड़ा और अंतिम एकादश में भी परिवर्तन करने पड़े। लेकिन टीम का हर खिलाड़ी मौके के लिए तैयार था। सभी ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और टीम की जीत में योगदान दिया। इस जीत के साथ वेस्ट दिल्ली लायंस ने डीपीएल 2026 में तीन मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में चार अंक हासिल कर लिए।

डीपीएल: वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज. को पांच विकेट से हराया

नई दिल्ली : वेस्ट दिल्ली लायंस ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए मंगलवार रात साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज. को पांच विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजों ने साउथ दिल्ली की टीम को 19.5 ओवर में 160 रन पर समेट दिया, इसके बाद लक्ष्य को पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज. की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और कोई भी बड़ी साझेदारी नहीं कर सकी। वेस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने पूरे मैच में सटीक लाइन-लेंथ से गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। पारी के अंतिम चरण में विजन पांचाल ने 12 गेंदों में 24 रन की तेज पारी खेलकर टीम को 160 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से मयंक गुसाईं ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 13 रन देकर तीन विकेट झटके। कुलवंत खेजरोलिया ने दो विकेट लिए, जबकि नितीश राणा ने भी एक सफलता हासिल की।

कीर्ति कुल्हारी हुई साइबर ठगी की शिकार

बॉलीवुड जगत की मशहूर फिल्म अभिनेत्री और निर्माता कीर्ति कुल्हारी (43) के साथ साइबर धोखाधड़ी का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर महज कुछ ही मिनटों में 2,43,852 रुपए का फ्रॉड किया है। अभिनेत्री की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर दर्ज एफआईआर के अनुसार, अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी वर्सोवा इलाके में रहती हैं और अभिनय व फिल्म निर्माण के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। यह घटना रात लगभग 9:31 बजे की है। उस समय वह अंधेरी पश्चिम में फन रिपब्लिक मॉल के पास स्थित सिनेपोलिस थिएटर में थीं। इसी दौरान उनके मोबाइल नंबर पर बैंक के क्रेडिट कार्ड से एयरोमेक्सिको एयरलाइन पर 2,525 अमेरिकी डॉलर खर्च होने का अलर्ट मैसेज प्राप्त हुआ। अनजान और संदिग्ध विदेशी लेनदेन का मैसेज देखते ही अभिनेत्री ने बिना समय गंवाए बैंक के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया। बैंक अधिकारियों ने जांच के बाद बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति के चार अलग-अलग बड़े ट्रांजैक्शन किए गए हैं, जिसके बाद सुरक्षा के तौर पर तुरंत कार्ड ब्लॉक कर दिया गया। पीड़ित अभिनेत्री ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड का पासवर्ड पूरी तरह गोपनीय था, जिसे उन्होंने किसी के साथ साझा नहीं किया था। आशंका जताई जा रही है कि किसी डिजिटल मालवेयर या स्पाईवेयर के जरिए उनका फोन और कार्ड हैक किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंबोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

हार्डी की सलाह ने बदला रेवती का नजरिया

● अच्छे लोगों के साथ काम करो

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है।

अल्लू अर्जुन ने ये क्या बोल दिया?

'लड़की के घर के बाहर इंतजार करो'

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का एक फैन मीट वीडियो वायरल है, जिसमें उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि जिस लड़की को पसंद करते हो, उसके घर के बाहर इंतजार करो। इस कमेंट के बाद सोशल मीडिया पर विवाद छिड़ गया। कई यूजर्स ने इसे स्टॉकिंग को बढ़ावा देने वाला बताया। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इसकी वजह उनकी अपकमिंग मूवी 'राका' नहीं, बल्कि उनका बयान है। हाल ही में एक फैन मीट के दौरान उन्होंने अपने चाहनेवालों से बातचीत की, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में कही गई उनकी एक बात पर कई यूजर्स ने आपत्ति जताई है। आइए बताते हैं, 'पुष्पा' फेम ने क्या कहा। फैन मीट के दौरान अल्लू अर्जुन ने अपने फैंस, एंटी-फैंस और हेटर्स से कहा कि वे नफरत फैलाने या किसी को ट्रोल करने में अपना समय बर्बाद न करें। उन्होंने कहा कि इंसान को अपना समय उन चीजों में लगाना चाहिए जो उसे खुशी दें और आगे बढ़ने में मदद करें। उन्होंने एग्जापल देते हुए कहा,

'अगर आपके पास 100 रुपये हों, तो आप उन्हें किसी ऐसी चीज पर खर्च नहीं करेंगे जो आपको बिल्कुल पसंद नहीं है। उसी तरह आपका समय भी बहुत कीमती है।'

अल्लू ने मजाकिया अंदाज

इसके बाद उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'नफरत करने की बजाय उस लड़की के घर के बाहर जाकर इंतजार करें, जिसे आप पसंद करते हैं।'

सोशल मीडिया पर क्यों हो रही है आलोचना?

अल्लू अर्जुन के इस बयान के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे स्टॉकिंग (किसी का पीछा करने) को बढ़ावा देने वाला बताया। कुछ यूजर्स का कहना है कि सार्वजनिक मंच से इस तरह का मजाक गलत संदेश दे सकता है। वहीं कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या ऐसी सलाह को सामान्य माना जाना चाहिए।

फिल्ममेकर शैलेंद्र सिंह का बड़ा दावा

भारत में बैन होने के बावजूद सलमान ले रहे थे पीआरपी थेरेपी?

शैलेंद्र सिंह का दावा है कि सलमान खान पीआरपी थेरेपी तब ले रहे थे, जब यह भारत में गैरकानूनी था। उन्होंने बताया कि कई दूसरे सेलेब्स भी ये थेरेपी ले रहे थे। फिल्ममेकर और लेखक शैलेंद्र सिंह का दावा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान बाल उगाने के लिए 'प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा' (पीआरपी) थेरेपी करवा रहे थे। सलमान खान ये थेरेपी तब ले रहे थे जब यह इलाज भारत में गैर-कानूनी था। शैलेंद्र ने बताया कि वर्षों पहले सलमान के घर जाने पर उन्होंने उन्हें यह प्रोसीजर करवाते हुए देखा था।

शैलेंद्र ने साइरस सेज को बताया कि बालों के झड़ने के बारे में बातचीत तब शुरू हुई जब सेलिब्रिटी मैनेजर रेशमा शेट्टी ने उन्हें बताया कि वह गंजे हो रहे हैं। परेशान होकर, उन्होंने समाधान खोजना शुरू किया। उसी दौरान, वह एक मीटिंग के लिए सलमान के घर गए, जहां उन्होंने कुछ ऐसा देखा जिसने उन्हें हैरान कर दिया।

सलमान के सिर में लगाई सुई

उस घटना को याद करते हुए शैलेंद्र ने कहा, 'वह बिरयानी वगैरह खा रहे थे और तभी पीछे से एक अजीब दिखने वाला आदमी आया, उसने ग्लव्स पहने, एक सुई निकाली और उनके सिर की त्वचा (स्कैल्प) में लगाने लगा।'

गैरकानूनी था प्रोसीजर

शैलेंद्र के अनुसार, सलमान ने उनके रिएक्शन को देखा और जवाब दिया, 'स्टार बनने की एक कीमत चुकानी पड़ती है, भाई।' फिर उन्होंने दावा किया कि जो प्रोसीजर हो रहा था वह पीआरपी थेरेपी थी। उन्होंने कहा, 'उस समय यह प्रोसेस गैर-कानूनी था।'

क्या है पीआरपी थेरेपी?

आपको बता दें कि (पीआरपी) थेरेपी एक तरह का इलाज है। माना जाता है कि इससे बाल फिर से उग जाते हैं।

घर की नौकरानी से जुड़ा है मामला

संभावना सेठ ने दर्ज कराई एफआईआर

अभिनेत्री संभावना सेठ ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है कि उन्होंने एक एफआईआर दर्ज करवाई है। यह मामला उनकी नौकरानी गुड़िया से जुड़ा है।

' रात जो हुआ, उसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। हमने पूरी रात पुलिस स्टेशन में बिताई और यह सब हमारे घर में काम करने वाली हाउस हेल्प से जुड़ा है। आखिरकार एफआईआर दर्ज हो गई है। जब हमें खुद को संभालने के लिए थोड़ा समय मिल जाएगा, तो हम कल अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस बारे में बात करेंगे।' अपनी नई पोस्ट में संभावना सेठ लिखती हैं, 'हम एक जरूरी काम के बीच में हैं।

शादी के 10 साल बाद मिली मां बनने की खुशी

संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी के घर शादी के 10 साल बाद आखिरकार बच्चों की किलकारी गूंजी है। 45 साल की उम्र में संभावना सरोगेसी के जरिए जुड़वा बच्चों की मां बनी हैं। पिछले महीने ही फैंस के साथ उन्होंने यह खुशखबरी साझा की थी। करियर फ्रंट की बात करें तो संभावना यूट्यूब पर व्लॉग बनाती हैं, उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है। साथ ही वह बतौर डांसर भी वह सक्रिय है। अपने डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं।

अल्लू अर्जुन संग किया है काम

दिलचस्प बात ये है कि कृति ने अल्लू अर्जुन की फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलु' के हिंदी रीमेक में काम किया था. उन्हें आखिरी बार रोमांटिक ड्रामा 'कॉकटेल 2' में देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में थे. वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने वाली हैं.

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली

फिल्म 'सोलह' से शुरू किया सिनेमा का नया सफर

बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म 'सोलह' के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं। बातचीत में सोनाली बेंद्रे ने बताया कि 'सोलह' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। 'सोलह' में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं। सोनाली ने कहा, ''फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है।

अभिनेत्री अदिति बालन की फिल्म 'जीडीएन' से पहला लुक जारी, इस किरदार में आएंगी नजर

निर्देशक कृष्ण कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जीडीएन' सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। इसी बीच, मेकर्स ने गुरुवार को अभिनेत्री अदिति बालन का लुक भी जारी किया। मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेत्री का पहला लुक जारी कर लिखा, 'पेश है, पद्मावती के रूप में अदिति बालन। एक आवाज, स्टैंड और ऐसी कहानी, जो सब कुछ बदल देती है। यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं।' यह फिल्म मशहूर भारतीय आविष्कारक, किसान और समाजसेवी जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है, जिसमें अभिनेत्री अदिति बालन पद्मावती की भूमिका अदा करती हुई सभी को मनोरंजन करेंगी।

असम के सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित नेपाली खूंटी का जेपी नड्डा ने किया दौरा, प्रभावितों को हर संभव मदद का भरोसा

एजेंसी

शिवसागर (असम : केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज असम के शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों संतक और नेपाली खूंटी का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत की। नड्डा बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिले और घरों, खेती की जमीन, मवेशियों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को हुए भारी नुकसान के बारे में उनकी चिंताएं सुनीं। उन्होंने प्रभावित गांवों में चलाए जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यों की भी समीक्षा की। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नड्डा ने जरूरी राहत सामग्री की उपलब्धता और विस्थापित परिवारों को दी जा रही मदद के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निवासियों को भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया गया है और सरकार आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है औ? हर संभव मदद की जाएगी।

संतक और नेपाली खूंटी शिवसागर के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से हैं, जहां हाल की बाढ़ से भारी विनाश हुआ और हजारों लोगों के जीवन और आजीविका को प्रभावित किया। कई परिवारों के घर और सामान बर्बाद हो गए, जबकि बाढ़ के पानी ने सड़कों, तटबंधों और खेती की बड़ी जमीन को भी नुकसान पहुंचाया। नड्डा का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब असम सरकार और जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन करने, तुरंत मदद पहुंचाने और पुनर्वास का काम शुरू करने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीयमंत्री का यह दौरा ऊपरी असम, खासकर शिवसागर और आसपास के जिलों में बाढ़ की स्थिति की सरकार द्वारा की जा रही समीक्षा का हिस्सा है, जो इस विनाशकारी बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे।शिवसागर के बाद जेपी नड्डा पड़ोसी राज्य नगालैंड के मोन जिले में बाढ़ से हुए भ नुकसान का जायजा लेने के लिए रवाना हो गए। नगालैंड से लौटने के बाद आज शाम को असम के चराईदेव जिला के बाढ़ प्रभावित इलाके का भी दौरा करेंगे। गुरुवार को नड्डा पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश का दौरा करेंगे, जहां बादल फटने से भारी तबाही हुई है। केंद्रीय मंत्री नड्डा तीन दिवसीय असम, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर मंगलवार को ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ पहुंचे थे। केंद्रीयमंत्री नड्डा के साथ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, मंत्री अशोक सिंघल, मंत्री केशव महंत, मंत्री पीयूष हजारिका, मंत्री सुशांत बोरगोहाईं, स्थानीय विधायक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

फीस बढ़ाने वाले सात स्कूलों पर एक-एक लाख का जुमार्ना

नोएडा : गौतम बुद्धनगर जिला प्रशासन ने सात प्राइवेट स्कूलों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। इन स्कूलों पर उत्तर प्रदेश फीस रेगुलेशन एक्ट के नियमों का उल्लंघन का आरोप है। इन्होंने तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई या बिना मंजूरी के अलग-अलग शुल्क लगाए हैं। जिलाधिकारी मेधा रूपम के अनुसार, स्कूलों पर जुमार्ना लगाने का फैसला उनकी अध्यक्षता में हुई जिला फीस रेगुलेटरी कमेटी की बैठक में लिया गया। कमेटी ने 2026-27 अकादमिक सत्र के लिए प्राइवेट स्कूलों की प्रस्तावित फीस बढ़ोतरी की समीक्षा की। कमेटी ने उत्तर प्रदेश सेल्फ-फाइनेंस्ड इंडिपेंडेंट स्कूल्स (फीस रेगुलेशन) एक्ट के नियमों के पालन की जांच की। समीक्षा बैठक में पाया गया कि दह प्राइवेट स्कूलों ने 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए 7.23 फीसदी की अधिकतम तय सीमा से अधिक फीस बढ़ाई। नोएडा के सेक्टर 21 के एक अन्य स्कूल ने कम्पोजिट फीस के अलावा अलग से सालाना फीस भी वसूली। यही नहीं 2025-26 एकेडमिक सेशन के लिए अपना फीस स्ट्रक्चर भी अपनी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया।

तमिलनाडु विधानसभा में आज पेश किया जाएगा बजट

चेन्नई : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार का पहला बजट आज विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का बजट सत्र आज सुबह 10 बजे शुरू होगा। राज्य के वित्तमंत्री मारिया विल्सन वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगे। मुख्यमंत्री विजय ने निर्देश दिया था कि यह बजट प्रभावशाली होना चाहिए। बजट को लेकर जुलाई में मुख्यमंत्री सरकार के सभी विभागों के मंत्रियों, सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें की थी। सभी विभागों से लागू की जा रही योजनाओं और टीवीके के चुनाव से पहले किए गए वादों का पूरा विवरण मंत्रियों से मांगा था। इसके बाद इन सभी का अध्ययन करने और राज्य की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विजय ने बजट को अंतिम रूप दिया। इस बजट में वेत्री तमि?गम दूरदर्शी योजना₹ नामक नई योजना की घोषणा की जा सकती है।
टीवीके ने चुनावी वादा किया था कि प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 60 वर्ष की आयु तक 2,500 रुपये और बेरोजगारों को सहायता भत्ता प्रदान किया जाएगा लोगों को उम्मीद है कि बजट में चुनावी वादों की झलक देखने को मिलेगी। नेता विपक्ष उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के विरोध में डीएमके आज बजट सत्र का बहिष्कार कर सकती है। बजट पेश किए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर की अध्यक्षता में कार्य सलाहकार समिति की बैठक होगी। इसमें बजट सत्र की अवधि की घोषणा की जाएगी।

मानसून उत्तर प्रदेश की ओर सक्रिय, अगले 48 घंटे भारी बारिश के आसार

एजेंसी

प्रयागराज : बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र और सक्रिय मानसूनी तंत्र के प्रभाव से मानसून की ट्रफ लाइन उत्तर भारत की ओर खिसक गई है। इसके चलते उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. सुनील पांडेय ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को मानसून की अक्षीय रेखा (ट्रफ लाइन) अमृतसर, करनाल, हरदोई, रांची और दीघा से होकर गुजर रही है। यह रेखा आगे उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र और मानसूनी तंत्र के सक्रिय रहने से ट्रफ लाइन उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों और गंगा के तराई वाले इलाकों की ओर बढ़ी है। इसके साथ ही उत्तर-पूर्वी राजस्थान और दिल्ली के आसपास बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ तथा आसपास के क्षेत्रों में भी मानसून पूरी तरह सक्रिय है। डॉ. पांडेय के अनुसार, इस मौसमीय स्थिति के कारण अगले तीन से चार दिनों तक उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में भारी बारिश होने की संभावना है। इन क्षेत्रों के लिए अगले 48 घंटों के दौरान येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि पंजाब और बिहार में भी अगले तीन से छह दिनों तक मानसूनी गतिविधियां तेज बनी रहेंगी। वहीं राजस्थान के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में बारिश की तीव्रता सामान्य या मध्यम रह सकती है, जबकि उत्तर-पूर्वी जिलों में अच्छी वर्षा होने की संभावना है। उप्र के कई जिलों में अगले तीन घंटे गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ ने बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश के लिए जिला स्तरीय नाउकास्ट (तात्कालिक) मौसम चेतावनी जारी की है।

ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह और संस्कृति मंत्रियों की बैठक आज से भोपाल में

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में चार दिवसीय ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन-2026 शुरू होगा। इसका समापन आठ अगस्त को होगा। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य और भागीदार 10 देशों के संस्कृतिमंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन में सांस्कृतिक सहयोग, विरासत संरक्षण और आपसी साझेदारी से जुड़े कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए जाएंगे। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को अधिकारी स्तर पर नीतिगत प्रारूपों और विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। 7 और 8 अगस्त को संस्कृति मंत्रियों एवं उपमंत्रियों के स्तर पर विचार-विमर्श कर अंतिम सहमति बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व प्रथम चरण में सदस्य देशों के साथ वर्चुअल बैठक में शुरूआती प्रारूप पर चर्चा हुई थी, जिसके बाद वाराणसी में आयोजित दूसरी बैठक में प्रतिनिधियों ने गहन मंथन किया । अब भोपाल में आयोजित तीसरी और अंतिम बैठक घोषणा-पत्र पर सभी देशों की औपचारिक मुहर लगाएगी। अग्रवाल ने बताया कि आज शाम प्रतिनिधि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का दौरा करेंगे, जहां पॉटरी (मृदा शिल्प) प्रदर्शनी में उनका

पारंपरिक स्वागत किया जाएगा और स्वदेशी शिल्प व पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के लाइव प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। इसके बाद प्रतिनिधि ट्राइबल हैबिटेट में 'नागा हाउस' और 'हिमालयी गांव' का गाइडेड भ्रमण कर वहां की वास्तुकला, जीवन शैली व सांस्कृतिक विरासत का अवलोकन करेंगे। तत्पश्चात वीथि संकुल में औपचारिक दीप प्रज्वलन ('अल्वीलाक्कू') व दीघाओं के भ्रमण के बाद प्रेक्षागृह में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कथक नृत्य, पारंपरिक सामुदायिक नृत्य और भारत की विविध पारंपरिक व जनजातीय पोशाकों को प्रदर्शित करने वाला एक फैशन शो प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि तीसरी ब्रिक्स संस्कृति कार्यसमूह की बैठक में 6 अगस्त को ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों के घोषणापत्र के मसौदे और सांस्कृतिक सहयोग के अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इनमें सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा, संग्रहालय, सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और ब्रिक्स देशों के बीच लोगों से लोगों का जुड़ाव शामिल है। कार्य समूह की सिफारिशें मंत्रस्तरीय बैठक के दौरान संस्कृति मंत्रियों के विचार का आधार बनेंगी। शाम को रवींद्र भवन भोपाल में ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ब्रिक्स सदस्य और भागीदार देशों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। यह कार्यक्रम आम जनता के लिए खुला रहेगा और भाग लेने वाले देशों की समृद्ध और विविध प्रदर्शन कला परंपराओं को देखने का अवसर प्रदान करेगा। रविन्द्र भवन में 7 अगस्त में शाम को प्रमुख 'ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव 2026' आयोजित किया जाएगा, जो भारत और सदस्य ब्रिक्स देशों के प्रख्यात संगीतकारों और कलाकारों को एक साथ लाने वाला एक विशेष रूप से तैयार किया गया सहयोगात्मक संगीतमय कार्यक्रम है। कार्यक्रम की शुरूआत ₹सर्वे भवन्तु सुखिनः₹ के आह्वान के साथ होगी, जिसके बाद हिंदुस्तानी और कर्नाटक शास्त्रीय परंपराओं का उत्सव मनाता हुआ ₹कलर्स ऑफ इंडियन म्यूजिक₹ प्रस्तुत किया जाएगा।

तमिलनाडु के बजट में शिक्षा पर जोर, सरकारी स्कूलों में सुपर क्लीन-सुपर कैंपस योजना की घोषणा

एजेंसी

चेन्नई : तमिलगा वेत्रि कषगम (टीवीके) सरकार ने आज अपना पहला पूर्ण बजट (2026झ्27) विधानसभा में पेश किया। विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत आज सुबह 10 बजे हुई। वित्त विभाग का प्रभार संभाल रहे मंत्री मरिया विल्सन ने बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने घोषणा की कि तमिलनाडु के सरकारी स्कूलों में ₹सुपर क्लीनझ्सुपर कैंपस₹ योजना लागू की जाएगी। पहले चरण में लगभग 10,000 स्कूलों को इसमें शामिल किया जाएगा। इसके लिए 139 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसके माध्यम से स्कूलों के शौचालयों, कक्षाओं तथा अन्य परिसरों को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर बनाया जाएगा। । उन्होंने कहा कि पेरुंथलैवर कामराजर विशेष विद्यालय योजना के तहत स्कूलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 125 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। स्कूली पाठ्यक्रम के पुनर्गठन के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। 3,714 स्कूलों के आधुनिकीकरण के लिए 2,132 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। स्कूलों में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने के लिए 7 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा। मरियाविल्सन ने कहा कि तमिलनाडु में भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। लोक निर्माण विभाग में टेंडर प्रक्रिया में बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को वित्तीय संकट से उबारने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। भवन निर्माण अनुमति की पुरानी व्यवस्था में बदलाव किया गया है तथा इस प्रक्रिया में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाई गई है।

स्टॉक मार्केट में एचआर हाइजीन ने मामूली बढ़त के साथ की एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली : सैनिटरी पैड, बेबी डायपर और एडल्ट केयर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 88 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से से ये शेयर उछल कर 91 रुपये के स्तर तक पहुंचे, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गोता भी लगा दिया। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर लोअर सर्किट ब्रेक कर दिया। दोपहर 11:45 बजे तक कारोबार होने के बाद ये शेयर 89.99 रुपये के स्तर पर पहुंच गए थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 1.99 रुपये यानी 2.26 प्रतिशत का फायदा हो गया था। एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड का 53.95 करोड़ रुपये

का आईपीओ 29 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 11.83 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61,31,200 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 11 करोड़ रुपये के 12,25,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं, जबकि लगभग 43 करोड़ रुपये के 49,05,600 नए शेयर जारी हुए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी राजकोट में नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 11.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 85.33 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 115.15 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 131.90 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 24.68 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 21.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ मामूली उछाल के साथ 21.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

नूंह में पांच हजार रिश्वत लेते बिजली निगम के दो कर्मचारी काबू

नूंह : हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने नूंह शहर में बिजली निगम के दो कर्मचारियों को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक महिला की शिकायत के आधार पर की गई है। दोनों आरोपितों को गोशाला रोड के समीप ट्रैप कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया। एसीबी प्रवक्ता के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान फारुख निवासी गुलालता और सलमान निवासी सियापनकी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार फारुख उजीना फीडर पर कार्यरत है, जबकि सलमान नूंह स्थित बिजली निगम कार्यालय में क्लर्क के पद पर तैनात है। शिकायतकर्ता ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को शिकायत दी थी कि उसका बिजली बिल लगभग 44,000 आया है। बिल में संशोधन कराने तथा नया बिजली मीटर लगाने के एवज में बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा उससे 14,000 से 15,000 रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत का सत्यापन करने के उपरांत राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान लाइनमैन फारुख तथा क्लर्क सलमान खान को शिकायतकर्ता से 5,000 की रिश्वत स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। रिश्वत की राशि आरोपियों के वाहन से बरामद की गई। इस संबंध में आरोपियों के विरुद्ध थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में एफआईआर संख्या 26 के तहत मामला दर्ज किया गया है। ट्रैप कार्रवाई के दौरान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 105 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पूर्णत: पालन किया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

पत्नी और सास के उत्पीड़न के चलते युवक ने की आत्महत्या, मुकदमा दर्ज

नोएडा : बादलपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने बीती रात को रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बहू ने उसके भाई के बेटी की शादी के लिए घर पर रखी गई रकम चोरी कर लिया। अपनी मां और अपने नाम एफडी करवाया और एक फ्लैट बुक करवा लिया। इस बात से परेशान होकर उसके बेटे ने आत्महत्या कर लिया है। उसने आरोप लगाया है कि उसकी बहू के किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम संबंध हैं। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बादलपुर के प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि जागतरन ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह छपरौला गांव में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार उनके भाई ने अपनी बेटी की शादी के लिए उनके घर पर 13.5 लाख रुपये रखे थे। इस बात की जानकारी उनके बेटे हरेंद्र और बहू पूजा को थी। जब उनके भाई ने पैसे मांगे तो उन्होंने अलमारी से पैसे निकालकर देना चाहा, तो पता चला की रकम उनके अलमारी में नहीं है। जब उन्होंने अपने बेटे और बहू से इस बात के बारे में पता किया तो उनकी बहू जवाब देने में संकोच करने लगी। बाद मे उन्हें पता चला कि उनकी बहू ने आलमारी से रुपये चुरा कर अपनी मां को दे दिया है। पीड़ित के अनुसार, उनकी बहू की मां ने अपने नाम से 7.5 लाख रुपये तथा बहू ने अपने-आप से 2.5 लाख रुपये की यूनियन बैंक गोविंदपुरम मे चोरी की रकम से एफडी करवा ली, तथा वेब सिटी में एक फ्लैट बुक किया। पीड़ित के अनुसार उसकी बहू से किसी और व्यक्ति से भी प्रेम संबंध है। इस बात की जब जानकारी उसके बेटे को लगी तो उसकी बहू तथा बहू की मां ने उसे धमकी दी तथा तलाक के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़ित के अनुसार इस बात से उसका बेटा परेशान रहने लगा तथा उसने 11 जुलाई को सल्फास खा लिया। उसे अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पानीपत में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने हत्या का आरोप

पानीपत : पानीपत के गांव नोहरा में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और हत्या करने के गंभीर आरोप लगाए है। पुलिस के अनुसार मृतका मीना का विवाह पांच साल पूर्व गांव नोहरा निवासी युवक के साथ हुआ था। मायके पक्ष के परिजनों का आरोप है कि शादी के पांच साल बीत जाने के बाद भी बच्चा न होने के कारण ससुराल के लोग मीना को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। परिजनों का दावा है कि ससुराल पक्ष के ाेग मीना को तलाक देने देने पर उतारू थे। इसी साजिश के तहत उनकी बेटी की हत्या की गई है। जबकि ससुराल पक्ष ने अपने ऊपर लगे हत्या के सभी आरोपों को झूठा बताया । उनका कहना है कि मीना सुबह घर में सफाई कर रही थी, तभी झाडू लगाते वक्त गलती से उसका हाथ पंखे से टच हो गया जिससे उसे जोरदार करंट का झटका लगा जिस कारण करंट लगने से उसकी मौत हो गई। अस्पताल में हुए हंगामे के दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने कहा, हम उसकी हत्या क्यों करेंगे, करंट लगने के बाद हम उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही मृतका के मायके वाले भी अस्पताल पहुंचे। अस्पताल परिसर में दोनों पक्षों के बीच जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतका के मायके पक्ष की शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डाक विभाग ने की, 36 दिल्ली के डाकघरों में राखी बुकिंग की विशेष व्यवस्था

नई दिल्ली : रक्षाबंधन से पहले दिल्ली से राखियों को देश के अलग अलग कोनों में पहुंचाने के लिए ने डाक विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। डाक विभाग दिल्ली में 34 बड़े डाकघरों के साथ दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में ट्रांजिट मेल कार्यालयों में 22 अगस्त तक विशेष राखी बुकिंग काउंटर स्थापित करेगा। संचार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि डाक विभाग ने ग्राहकों को अपनी 24 स्पीड पोस्ट और 48 स्पीड पोस्ट सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार ये सेवाएं सुरक्षित और निर्धारित समय सीमा में डिलीवरी की सुविधा देती हैं। तय समय में डिलीवरी नहीं होने पर मनी बैक गारंटी का भी प्रावधान है। मंत्रालय ने बताया कि 24 स्पीड पोस्ट सेवा दिल्ली के 35 नामित बुकिंग केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। इसके जरिए दिल्ली से मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद सहित छह प्रमुख महानगरों में तेजी और सुनिश्चित समयसीमा के भीतर डाक पहुंचाई जाएगी। विशेष राखी बुकिंग की सुविधा अशोक विहार, सिविल लाइंस, चाणक्यपुरी, दिल्ली जीपीओ, नई दिल्ली जीपीओ, इंद्रप्रस्थ, जनकपुरी, कृष्णा नगर, करोल बाग, कालकाजी, लोधी रोड, सरोजिनी नगर, आर.के. पुरम, रमेश नगर, रोहिणी, मायापुरी, मालवीय नगर, मेहरौली समेत कुल 34 प्रमुख डाकघरों में उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन स्थित ट्रांजिट मेल कार्यालयों में भी विशेष बुकिंग काउंटर बनाए जाएंगे। डाक विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे समय पर राखी भेजकर इस विशेष व्यवस्था का लाभ उठाएं, ताकि त्योहार के दौरान डाक वितरण सुचारु रूप से हो सके।

रेवाड़ी में युवक ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में पांच पर लगाए आरोप

रेवाड़ी : शहर की बीएमजी सिटी में मंगलवार शाम एक 25 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को युवक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें तीन महिलाओं सहित कुल पांच लोगों पर 30 लाख रुपये से अधिक की राशि लेने के बाद वापस नहीं करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव भाड़ावास निवासी 25 वर्षीय नीरज का कुछ समय पहले अपने परिवार से विवाद हो गया था। इसके बाद वह घर छोड़कर गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीएमजी सिटी के एक टॉवर में किराये के फ्लैट में रहने लगा था। बताया गया कि वह पिछले करीब तीन माह से अपने एक दोस्त के साथ अलग रह रहा था। मंगलवार शाम जब उसका दोस्त फ्लैट पर पहुंचा तो दरवाजा खोलने पर नीरज फांसी के फंदे पर लटका मिला। इसकी सूचना तुरंत मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया। मौके की तलाशी के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नोट में तीन महिलाओं सहित पांच लोगों के नाम लिखे गए हैं। मृतक ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने उससे 30 लाख रुपये से अधिक की राशि ली थी, लेकिन बाद में लौटाने से इनकार कर दिया। पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल के जनकपुरधाम में तेहला पोखरी में डूबा भारतीय श्रद्धालु, मौत

काठमांड : नेपाल के जनकपुरधाम स्थित जानकी मंदिर के समीप स्थित तेलहा पोखरी में सोमवार रात एक भारतीय श्रद्धालु की डूबने से मौत हो गई। धनुषा जिला पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता मधुसूदन न्यौपाने के अनुसार, मृतक की पहचान भारत के बिहार के हाजीपुर निवासी 20 वर्षीय आदर्श कुमार झा के रूप में हुई है।

न्यूज IN ब्रीफ

तीन खूंखार इनामी नक्सली गिरफ्तार

सरायकेला : जिले में सुरक्षा बलों और पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. खुफिया जानकारी के आधार पर चलाई गई घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान 22 लाख रुपये के कुल इनाम वाले तीन खूंखार नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है.पकड़े गए नक्सलियों में 15 लाख इनामी मदन महतो , पांच लाख इनामी रवि सरदार और उसकी पत्नी दो लाख इनामी मीणा शामिल है. इन नक्सलियों के पास से एक एके-47 राइफल और एक पिस्टल समेत हथियार बरामद किए गए हैं.

बंगाली एसोसिएशन का 51वां रक्तदान शिविर आयोजित

चक्रधरपुर: बंगाली एसोसिएशन द्वारा बुधवार को दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित 51वें रक्तदान शिविर की शुरूआत नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं सीआईएसएफ के जवान सतीश कुमार बेहरा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके बाद शिविर का उद्घाटन जमशेदपुर ब्लड बैंक के जीएम संजय चौधरी एवं वीवीडीए के वरिष्ठ सदस्य सुनील मुखर्जी के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप जलाकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी तथा नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव शामिल हुए। एसोसिएशन की ओर से अतिथियों का गुलदस्ता एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप मुखर्जी ने अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की। वहीं, जमशेदपुर ब्लड सेंटर की टीम ने शिविर में रक्त संग्रह किया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद विनय बर्मन, सुलेखा दत्ता सहित बंगाली एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष व सीआईएसएफ जवान को दी श्रद्धांजलि

उपायुक्त के प्रयास से ओमान में फंसी सिमडेगा की बेटी प्रीति कुजूर की हुई सुरक्षित घर वापसी

सिमडेगा : ओमान (मस्कट) में परेशानियों का सामना कर रही सिमडेगा की प्रवासी श्रमिक सुश्री प्रीति कुजूर के मामले में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश, उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह के सतत प्रयास तथा श्रम अधीक्षक, सिमडेगा द्वारा किए गए निरंतर समन्वय एवं अनुश्रवण के फलस्वरूप श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तहत कार्यरत राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने भारतीय दूतावास (मस्कट) के साथ समन्वय स्थापित कर युवती की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की। सुश्री प्रीति 1 अगस्त 2026 को भारत के लिए रवाना हुईं और 2 अगस्त 2026 को सकुशल अपने घर झारखंड पहुँच गईं।

सोशल मीडिया पर मामला सामने आते ही मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, उपायुक्त सिमडेगा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्रम अधीक्षक, सिमडेगा द्वारा पूरे मामले की नियमित मॉनिटरिंग की गई और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष, प्रोटेक्टर ऑफ एमिग्रेंट्स , रांची तथा भारतीय दूतावास (मस्कट) के साथ लगातार समन्वय स्थापित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 24 जून 2026 को भारतीय दूतावास ने सुश्री प्रीति से संपर्क स्थापित किया। और अंतत सबके समन्वय से आखिरकर उनकी घर वापसी हो पायी ।

भारतीय एकता कमेटी ने शबू सोरेन का पुण्यतिथि मनाया

रांची : सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी रांची के तत्वावधान में मंगलवार और बुधवार को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर गुरुजी स्व. शिबू सोरेन का पुण्यतिथि मनाया गया। इस दौरान जरूरतमंद और गरीब लोगों की सेवा की गई। कार्यक्रम में कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा और मुख्य सचिव रामेश्वर राम ने गरीबों के बीच भोजन के पैकेट, पानी की बोतल और कपड़े वितरित किए। इस अवसर पर सभी ने गुरुजी की आत्मा की शांति और स्वर्ग में उच्च स्थान के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि गुरुजी स्व. शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि गुरुजी झारखंड के महान नेता थे और हमेशा महान रहेंगे। उनके किए गए शुभ कार्यों और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। गुरुजी ने हमेशा सभी को साथ लेकर चलने का काम किया। भारतीय एकता कमेटी ने कहा कि गुरुजी के आदर्शों पर चलते हुए संस्था आगे भी समाज सेवा के कार्य करती रहेगी।

सितंबर में रद्द होगी नांदेड़ व जूनागढ़ की ट्रेनें

जमशेदपुर : चक्रधरपुर मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण हावड़ा, नागपुर, हटिया और बिलासपुर की आधा दर्जन ट्रेनों को 18 नवंबर तक दिन बदलकर रद्द करने का आदेश है, जबकि, 26 से 30 सितंबर तक नांदेड़, इतवारी, जूनागढ़ एवं अन्य कई मार्ग की ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा हुई है। उत्कल और साउथ बिहार एक्सप्रेस को डाउन में कई दिन बदले मार्ग पर चलाया जाएगा। लाइन ब्लॉक को लेकर अक्तूबर में भी ट्रेनों को रेलवे जोन ने रद्द किया है।

विधानसभा के मॉनसून सत्र की तैयारियों को लेकर सर्वदलीय बैठक संपन्न

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सर्वदलीय बैठक में हुए सम्मिलित

संवाददाता

रांची : 06 अगस्त 2026 से प्रारंभ होने वाले षष्ठम झारखंड विधानसभा के षष्ठम (मॉनसून) सत्र के सफल, सुचारू एवं गरिमापूर्ण संचालन को लेकर आज झारखंड विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी शामिल हुए। बैठक में मॉनसून सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही को लोकतांत्रिक परंपराओं एवं संसदीय मयार्दाओं के अनुरूप संचालित किए जाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन हेतु सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया। उक्त बैठक में संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक प्रदीप यादव, सुरेश पासवान, अरूप चटर्जी, जयराम कुमार महतो, निर्मल महतो सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

वज्रपात से महिला की मौत, पांच घायल, दो की हालत गंभीर

मेट्रोरेज संवाददता

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में मंगलवार दोपहर हुई तेज बारिश के दौरान वज्रपात ने भारी तबाही मचाई। अलग-अलग स्थानों पर हुई दो घटनाओं में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।पहली घटना मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के गाजी बिहरा गांव में हुई। जानकारी के अनुसार खेत में धान की रोपनी कर रही महिलाओं के पास अचानक वज्रपात हो गया। इसकी चपेट में आने से 38 वर्षीय पुष्पा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 28 वर्षीय कविता देवी और 65 वर्षीय पार्वती देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दूसरी घटना हैदरनगर थाना क्षेत्र के बिलासपुर के समीप हुई। बताया गया कि 45 वर्षीय सीताराम पासवान खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान बारिश शुरू होने पर पास में भेड़ चरा रहे रघुनाथ पाल भी नजदीक स्थित पीपल के पेड़ के नीचे शरण लेने पहुंच गए। तभी तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ और दोनों इसकी चपेट में आ गए। इस घटना में सरगड़ा निवासी 24 वर्षीय पिंटू पाल भी घायल हो गए। तीनों घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सीताराम पासवान और रघुनाथ पाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि पिंटू पाल का इलाज हुसैनाबाद में जारी है। लगातार हो रही बारिश और वज्रपात की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खेतों, खुले स्थानों तथा पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचें और सुरक्षित स्थान पर रहें।

मेदिनीनगर में डिजनीलैंड मेला का हुआ उदघाटन

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर : मेदिनीनगर शहर के शिवाजी मैदान मे हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी डीजनीलैंड मेला का आयोजन किया गया है डीजनीलैंड मे मौके पर मेला के संचालक पवन गुप्ता, जितेंद्र अग्रवाल, कल्लू चन्द्रवंशी समेत कई लोग मौजूद रहे आपको बता दे की डीजनीलैंड मेला मे टावर झूला, ब्रेक डांस, टोरा टोरी, मौत का कुआँ,नाव,जहाज,जलपरी शो, छिपकली झूला वही बच्चो के लिए मिक्की माऊस, स्टीमर, कार, जहाज समेत कई तरह के झूले लगाए गए है. मेला के खीरीदारी के लिए कई स्टाल व दुकान लगाए गए है ताकी मेला देखने आये सभी लोग अपनी आवश्यकता नुसार सामानो की खरीदारी कर सके इस वर्ष डीजनीलैंड मेला मे छिपकली झूला लोगो के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा. वही मेला के संचालक पवन गुप्ता, जीतेन्द्र अग्रवाल व कल्लू चन्द्रवंशी ने आम जनता से अपील की और कहा की ज्यादा से ज्यादा की संख्या मे मेला मे आकर मेला का आनंद ले।

जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतारने का निर्देश, 116 योजनाओं की हुई समीक्षा

संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला योजना कार्यकारिणी से संबंधित योजनाओं के अनुमोदन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनोपयोगी योजनाओं के चयन, स्थलीय जांच तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, नजारत उप समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सूरज मुन्नी कुमारी, जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो, जिला मत्स्य पदाधिकारी सीमा टोप्पो, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक कुमार राम सहित विभिन्न कार्यकारिणी एजेंसियों के पदाधिकारी, जेई एवं अन्य उपस्थित थे।

बैठक में पेयजल, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क एवं पुलिया से संबंधित कुल 116 योजनाओं के प्राप्त प्राक्कलनों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि योजनाओं के अनुमोदन में केवल निर्माण कार्य को प्राथमिकता न देकर उनकी वास्तविक जन उपयोगिता एवं आम लोगों को मिलने वाले लाभ को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों का चयन किया जाए जहां पेयजल की गंभीर समस्या है तथा जनता दरबार में प्राप्त पेयजल संबंधी आवेदनों को भी योजना चयन में शामिल किया जाए। साथ ही ऐसे स्थानों पर सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी जाए जहां एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पाती। टूटी अथवा आवश्यक पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि स्कूली बच्चों को नालों या पानी से होकर विद्यालय नहीं जाना पड़े।

उपायुक्त ने जर्जर विद्यालय भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित योजनाओं के चयन पर भी जोर दिया। उन्होंने सुदूरवर्ती प्रखंड बानो एवं बोलबा में विशेष रूप से जनोपयोगी योजनाओं का चयन कर सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी संबंधित एजेंसियों को योजनाओं का उपयुक्त एस्टीमेट तैयार कर भेजने तथा स्वीकृति से पूर्व आवश्यकतानुसार स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। जनप्रतिनिधियों, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधियों तथा प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा अनुशंसित योजनाओं की उपयोगिता की जांच के बाद ही अनुमोदन देने पर भी चर्चा की गई। इसके अलावे उपायुक्त ने योजनाओं के चयन एवं स्वीकृति हेतु कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

रश्मि इलेक्ट्रॉनिक्स चोरी कांडः सामान बरामदगी की मांग को लेकर व्यापारियों ने विधायक सुखराम उरांव को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर स्थित रश्मि इलेक्ट्रॉनिक्स में हुई करीब 50 लाख रुपये मूल्य के सामान की चोरी के मामले में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को स्थानीय विधायक सुखराम उरांव से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर चोरी गए सामान की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित कराने की मांग की। व्यापारियों ने बताया कि मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की है, लेकिन अब तक चोरी गया सामान बरामद नहीं हो सका है। इससे व्यवसायियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। उन्होंने विधायक से प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर चोरी गए सामान की जल्द बरामदगी कराने का आग्रह किया। विधायक सुखराम उरांव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वह इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ चोरी गए सामान की बरामदगी भी जरूरी है, ताकि व्यापारियों का विश्वास बना रहे।

शिवलिंग स्थापना को लेकर निकली कलश यात्रा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

चक्रधरपुर : चाँदमारी वार्ड संख्या 9 स्थित टेबुल लाइन श्यामा काली मंदिर परिसर में शिवलिंग स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर चाँदमारी, पोटरखोली, तम्बाकू पट्टी, बाटा रोड, राजबाड़ी रोड होते हुए पुराना बस्ती सीढ़ी घाट पहुंची, जहां वैदिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरा।

इसके बाद यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची, जहां शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा एवं मुख्य पूजन आरंभ हुआ। आयोजन के दौरान हर-हर महादेव और जय श्रीराम के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। कलश यात्रा में तेजा राजवार, सूरज राजवार, राजा राजवार, बजरंगी राजवार, एस. बाबूराव, संदीप, बिक्की शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भोजपुरी पेंटिंग सह सेमिनार, भोजपुरी पेंटिंग को बाजार से जोड़ने का चले अभियान

संवाददाता

आरा : आज स्थानीय महंथ महिला महाविद्यालय आरा के कला प्रेक्षागृह कला गैलरी में, भोजपुरी पेंटिंग सह सेमिनार का आयोजन हुआ। आसरा सेवा केन्द्र व प्रभाव क्रियेटिव सोसायटी आरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कला प्रदर्शनी अपने मौलिक मौजूदगी को लेकर काफी उत्साहित करने जैसा है।कला गैलरी में प्रदर्शित तकरीबन 40 चित्र और अलग-अलग लोक कलात्मक चिजे प्रदर्शित किया गया है जो काफी सृजनात्मक है। भोजपुरी पेंटिंग भोजपुरिया संस्कृति से जुड़े लोक कला को एक साथ प्रदर्शित करना निश्चित रूप से भोजपुर के धरती पर गर्व महसूस करने जैसा है। भोजपुरी पेंटिंग सह सेमिनार कार्यक्रम का उद्घाटन पद्मश्री श्याम शर्मा जी ने सभा में उपस्थित अशोक कुमार सिन्हा अपर निदेशक बिहार संग्रहालय पटना, पृथ्वीराज सिंह, बीरेंद्र कुमार सिंह,नरेंद्र प्रताप पालित प्राचार्य महंथ महिला महाविद्यालय आरा, पद्मश्री भीम सिंह भवेश, भाजपा नेता गुड्डू सिंह बबुआन, रालोमो प्रदेश सचिव सुनील पाठक आरा के संयुक्त उपस्थित में किया गया। उसके बाद आगंतुक सभी अतिथियों को भोजपुरी पेंटिंग किया हुआ अंगवस्त्र और भोजपुरी पेंटिंग किया हुआ मोमेंटो से सम्मानित किया गया जिसका उपस्थित सभी लोगो ने सराहना किया और संकल्प लिया कि आगे से सम्मानित करने के लिए भोजपुरी पेंटिंग किया हुआ अंगवस्त्र से सम्मानित किया जाएगा।

भोजपुरी पेंटिंग प्रदर्शनी सह सेमिनार में उपस्थित कलाविदों कला समीक्षकों ने भोजपुरी चित्र शैली को लेकर काफी गहरी बातें कही । पदम श्री श्याम शर्मा ने भोजपुरी पेंटिंग को लेकर इसके विकास के क्रम को लेकर ढेरों ऐसे सुझाव दिए जो आने वाले समय में काफी मददगार साबित होगा। वहीं मुख्य वक्ता पृथ्वीराज सिंह अपने संबोधन में कहा कि भोजपुरिया कला संस्कृति में सिधे जीवन दर्शन होता है।हम आने वाले समय को लेकर सजग रहें स्थानीय कला संस्कृति के लिए अनुकूल समय चल रहा है। संबोधन क्रम को आगे बढ़ाते हुए बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा बोले यह सुरूआत है किसी भी कला को आगे बढ़ाने का। हम सभी अगर एकजुट होकर भोजपुरी कला संस्कृति पर इसी तरह विचार रखते रहे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। वहीं कला शिक्षक रौशन राय ने भोजपुरी पेंटिंग के शुरूआती संघर्ष को याद दिलाते हुए

कहा कि आज हम बिल्कुल सही और सटीक दिशा में काम कर रहे हैं। एक जागरूक माहौल कलात्मक सृजित होना चाहिए। वहीं बिरेंद्र कुमार सिंह सचिव बिहार कला मंच पटना अपने संबोधन में कहा कि भोजपुरिया संस्कृति समृद्ध रही है।कला संस्कृति का विकास तब संभव है जब स्थानीय लोग इसे स्वीकार कर अपने घरों में स्थान देना सुरु कर दें।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए संचालक अभय विश्वास भट्ट ने कहा कि हम अपने कला को अपने संस्कृति को गहराई से समझें सीधा जीवन दर्शन होता है। भोजपुरी भाषी क्षेत्र के हर सरकारी दफ्तर,हर जगह भोजपुरी चित्रों को जगह मिले तब सफलता मिलेगी। कार्यक्रम दो हिस्सों में बटा हुआ था,कला प्रदर्शनी और उसी चित्रों यानी भोजपुरिया कला संस्कृति पर सार्थक विचार विमर्श। कार्यक्रम निश्चित रूप से अपने कलात्मकता को लेकर काफी उत्साहित करने वाला कलात्मक रहा।हम भोजपुरी पेंटिंग को जनमानस तक पहुंचाने में कामयाब हो रहें हैं। कला गैलरी का अवलोकन करते हुए यथार्थ सचिव भास्कर मिश्र, वरिष्ठ चित्रकार सुरेश कुमार पाण्डेय, रंगकर्मी कृष्णेंदु, रंगकर्मी अनुप अवलीक ने कहा कि भोजपुरी कला प्रदर्शनी अपने कलात्मकता को लेकर काफी रोचक और ज्ञानवर्धक लग रहा है। इस तरह के कला प्रदर्शनी भोजपुरी पेंटिंग का समय समय पर शहर में होते रहना चाहिए। इस कला प्रदर्शनी में तकरीबन 25 अनुभवी कलाकारों की भोजपुरी पेंटिंग प्रदर्शित किया गया है जो लोगों के लिए काफी रोचक और कलात्मक लग रहा है। स्वागत गीत रूपा कुमारी ने गाकर सभी को पीडिया कला के बारे बताया।कलाकारों में मुख्य रूप से चित्रकार कमलेश कुंदन, रौशन राय, सुरेश कुमार पाण्डेय, अनीता पाण्डेय, अंजली तिवारी,अमन राज,मधु कुमारी, रूपा कुमारी, गुड़िया कुमारी, सुनिता राय, मुकेश चौधरी,सुशिल विश्वकर्मा,रूकसार प्रविण,अभीनव मिश्रा, संगीता कुमारी,दिप शिखा, प्रियंका कुमारी, प्रियंका गुप्ता, खुशबू कुमारी, रामावती देवी,साइमा,आदि कलाकारों का कला काफी सृजनात्मक और भोजपुरिया संस्कृति के अनुकूल था, लोगों ने खूब सराहना किया। अंत में सभी सम्मानित कलाकारों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ चित्रकार कमलेश कुंदन ने किया,बारी बारी से सभी कलाकारों और सभी मंच पर उपस्थित आगंतुक का धन्यवाद कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की। कलाकारो के साथ साथ शहर के बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे जिसमें प्रमुख लोगो मे भास्कर मिश्रा, संजय राय,सुरेश पांडेय,अनूप औलिक, सरियांश जी समेत कई लोग शामिल थे।